



हिन्दी ग्रामोफोन रेकर्ड सङ्ग्रह

प्रथम भाग

जिसमें हिन्दुस्तानके बड़े प्रसिद्ध प्रसिद्ध
५८ गवैयोंके ५०० रिकार्डोंका पूरा पूरा
१००० गाना है।

जिसमें

मिस्टर एस० पी० जैनी

कलकत्ता

ने संप्रदा किया

प्रथम बार १०००



मूल्य रु० १५।

सविनय प्रार्थना

— : —

प्रियवर मित्रों !

यह पुस्तक बहुत ही परिश्रम से तैयार की गई है जो कि सेवानें उपस्थित है ।

इस पुस्तक के सब गाने रिकार्डोंसे सुन सुन कर लिखे गये हैं सम्भव हो सकता है कि कुछ भूल हो, इस लिये मैं सविनय प्रार्थना करना हूं कि यदि कुछ भूल मेरे सुनने में या लिखने अथवा छापेखाने की गलती से हो गई हो तो आप क्षमा मुझको क्षमा करेंगे और जो महाशय किसी भूलसे मुझको सूचित करेंगे मैं उनका बहुत ही कृतज्ञ हूंगा और आगामी छपाई में सुद्ध कर दूंगा ।

एक पुस्तक में कुछ रिकार्डोंका गाना आकर बहुत ही बड़ा हो जाती इसलिये इनके भाग कर दिये गये हैं । पहला भाग तो यह है जो और दूसरा भाग जल्दी ही तैयार करके सेवा में उपस्थित किया जायेगा ।

प्राथी

एस्. पी. जेनी

अशुद्धियों को शुद्ध काजिये

अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ
क॒क॒क॒क॒	क॒क॒क॒क॒	१०१
क॒क॒क॒क॒	क॒क॒क॒क॒	१४८
क॒क॒क॒	क॒क॒क॒	१३१

गवयोंका नाम	पृष्ठ से	पृष्ठ तक
मिम राज दुलारी	१८० से	१८५ तक
मिम रोहन आरा	१८५ से ...	१८६ तक
मिम जोहरा जान	१८६ से	२०० तक
मिम जोहरा बाई । स्वर्गीय ।	२०१ से	२०८ तक
मि० अश्वदुहा ...	२०८ से	२१७ तक
माष्टर अमोर अली	२१७ से	२२० तक
मि० अमर	२२० से	२२५ तक
मि० अमर कली	२२६ से	२२८ तक
मि० बाबू कौवाल ...	२२८ से	
मि० बल्लारी	२२८ से	२३७ तक
परिणत बुद्धि चन्द्र	२३७ से	२४३ तक
परिणत चांद नारायण	२४३ से ..	२४६ तक
मि० हम्मू मादेव	२४६ से	
मि० भाई हंसा	२४७ से ..	२४८ तक
मि० भाई दसा	२४८ से	२५० तक
माष्टर दुलहा मिश्री	२५० से	२५२ तक
स्वर्गीय एव० एन० दल	२५२ से	२५३ तक
मि० आगा कृष्ण	२५३ से	२५४ तक
गोस्वामी नारायण	२५४ से	२५६ तक
मि० हार्मिद दुमन	२५६ से	२५७ तक
परिणत लक्ष्मी दल	२५७ से	२५८ तक
मि० माहम्मद दुमन	२५८ से	२५९ तक
परिणत लक्ष्मी दल	२५९ से	२६० तक
मि० आगा कृष्ण	२६० से	२६१ तक
मि० आगा कृष्ण	२६१ से	२६२ तक
मि० आगा कृष्ण	२६२ से	२६३ तक
मि० आगा कृष्ण	२६३ से	२६४ तक
मि० आगा कृष्ण	२६४ से	२६५ तक
मि० आगा कृष्ण	२६५ से	२६६ तक
मि० आगा कृष्ण	२६६ से	२६७ तक
मि० आगा कृष्ण	२६७ से	२६८ तक
मि० आगा कृष्ण	२६८ से	२६९ तक
मि० आगा कृष्ण	२६९ से	२७० तक
मि० आगा कृष्ण	२७० से	२७१ तक
मि० आगा कृष्ण	२७१ से	२७२ तक
मि० आगा कृष्ण	२७२ से	२७३ तक
मि० आगा कृष्ण	२७३ से	२७४ तक
मि० आगा कृष्ण	२७४ से	२७५ तक
मि० आगा कृष्ण	२७५ से	२७६ तक
मि० आगा कृष्ण	२७६ से	२७७ तक
मि० आगा कृष्ण	२७७ से	२७८ तक
मि० आगा कृष्ण	२७८ से	२७९ तक
मि० आगा कृष्ण	२७९ से	२८० तक
मि० आगा कृष्ण	२८० से	२८१ तक
मि० आगा कृष्ण	२८१ से	२८२ तक
मि० आगा कृष्ण	२८२ से	२८३ तक
मि० आगा कृष्ण	२८३ से	२८४ तक
मि० आगा कृष्ण	२८४ से	२८५ तक
मि० आगा कृष्ण	२८५ से	२८६ तक
मि० आगा कृष्ण	२८६ से	२८७ तक
मि० आगा कृष्ण	२८७ से	२८८ तक
मि० आगा कृष्ण	२८८ से	२८९ तक
मि० आगा कृष्ण	२८९ से	२९० तक
मि० आगा कृष्ण	२९० से	२९१ तक
मि० आगा कृष्ण	२९१ से	२९२ तक
मि० आगा कृष्ण	२९२ से	२९३ तक
मि० आगा कृष्ण	२९३ से	२९४ तक
मि० आगा कृष्ण	२९४ से	२९५ तक
मि० आगा कृष्ण	२९५ से	२९६ तक
मि० आगा कृष्ण	२९६ से	२९७ तक
मि० आगा कृष्ण	२९७ से	२९८ तक
मि० आगा कृष्ण	२९८ से	२९९ तक
मि० आगा कृष्ण	२९९ से	३०० तक

मिल अब्दुल वाई

P 245

दादर भैरवी

नं० पी० २४५

मेगरो से निपा निपातो हमारो मन—मेगरो से ----
 यह नाजिरिन नाम मोहम्मद का. छोरे हुना एता तो है—मेगरो से
 दाते देग भी कोई करता है. छाउ तह मुमने जाना कि कोई मगा है
 मुदाने नईन जो अब हुन निपा, मुनको नाचून न था हाव पराये दिनका
 मने जेनेके दिना से नरो बाकिर या बिन्दुहा
 कोई मगा हो तो वह जग क करे जलने देग
 मुन से उबरी लखीर वाला मगा क्या होवे
 वे होवे वह निपराव जो मगाहा होवे—मेगरो से ----

दूसरी तरफ :

गुजरा

मिलन करने है वो नाहक जग मे राउ करने है
 मुदाने हमा करे देगे की फगवा करने है
 मुदा नईन रहन इन हमोरो के मजलुम मे
 का वह दिन पहिल तो से मने है छि बाबाद करने है—मिलन --
 न हुमा जलने है न गल करने है जग
 पर पर वो हुन निहो मेरे बगवा करने है
 मने देनका हमोरो का न उन नह क हुने मे
 कने का नाहक का न न मने बगवा करने है—मिलन करने है . . .

दूसरी तरफ़ :—

भजन

आधो जो आधो मेर प्राण के जिवाने बाध
 तुम अलख अगम अविनाशी, तुम घट घट क हो बामो
 अमृत भुवन ब्रह्मांड के बनाने बाधे
 भजन को प्रभु एवं दोनों, दूधत गज को घर सोनो
 बन्दो से बधोब देखको दुखमें दुःखने बाधे
 अजामिल बाधो को जम दण्ड से बचाने बाधे
 गौतम को निरिया मारी बड़ापो दोपरी को सारो
 अजामिल बाधो को जम दण्ड से बचाने बाधे
 कौशिक मख राजार वारे, दगाध के तुम हो दुलार
 ना, का सुहाई इन गर्द में मियाने बाधे ।

— (: :) —

P. 125a

होली

पौ० १२५६

ज्योदा के साथ लेने होगे, कमी घूम मकाने
 मुन्धी को धन एवं गोरी निछव भई मय मिल बालक हारी
 अह अह भुवन सब माजी, कमी कोमिनो को थोरो—छयो - - -
 आध अमानक गव अगावन रिपो अह मकानो
 गारी द गो दो : इ माहन तुम कृष्ण नदी मारी—कमी - - -
 बाबा बल्लभ अलख दुषाय क गानिधन कोच मवारी
 इ : दुषाय आय सब बाहर कना गत को थोरो—कमी - - -

दूसरी तरफ :—

कौन

कौने बन बीर दुलैना मुनबरा हो राता—कौने बन ---
 केना बनवागे दुलैना मुनबरा हो राता—कौने बन ---
 मे हू माहिने नव हू मुनबरा माहिने घटा छाई हू ।
 बर दो बागवां को बनन को बहार छाई हू ॥ कौने बन ---

मिस अल्लगी जान

P 362

दादरा

पौ० ३३८२

इन्हो मीनों मे मे सीता दुखहा मेरा
 न जानो बखवरा मे दूरी
 जिन मे अल्लगी गज दीवा दुखहा मेरा—इन्हो ---
 न जानो बखवरा मे दूरी
 जिन मे मुनासी गज दीवा दुखहा मेरा—इन्हो ---
 न जानो मोर मीनों मे दूरी
 जिन मे बखवरा मेरा सीता दुखहा मेरा
 इन्हो मीनों मे मे सीता ---

दूसरी तरफ :—

दादरा

कहाँ जायेंगे बार मेना सगा के कहाँ जायेंगे बार
 जायेंगे बार कहाँ जायेंगे बार मेना - - -
 तुम्हारे देखने से हमको साथ होनी है
 इन आँखों में दुनिया हवाय होनी है
 अगर न जिन्दगी मेरी सराय होती है—कहाँ - - -
 जवान लड़की भी न थी अर्ज मुहुदुआ के लिये
 नजर की कुँविया खाने लगी मना के लिये—कहाँ - - -
 कहा जो मैं ने कि मेरा कहा नहीं करते
 तो फिर दिखाई मे बोने कि हाँ नहीं काने
 निहाई मुयकियन हुए राजदा नहीं काने
 कहाँ जायेंगे बार - - -

—(•)—

P 4412

ग़ज़ल ख़्वाली

पी० ४४१२

जाने क्या माँही की आँखों ने इगारा कर दिया—जाने - - -
 नजर मगरि आँख हा नाँव तइया कर दिया—जाने - - -
 क्या तो था मैं सबका देने उम माहिज की तरह
 आँख माँही ने मुँह फ़र ने दया कर दिया—जाने - - -
 दिया की आँख मोहियन के मते आँख लग
 उम के मय क़ुवशा के जाने दद रदा कर दिया
 काम मूनो का दिया था कौन ना मगर ने
 दिया लता पर तू ने हर जगह का रुखा कर दिया
 जाने क्या माँही की - -

दूसरी तरफ :— गज़ल क़व्वाली

नाज़ भी होता रहे होती रहे पेदाद भी
मद ग़मारा है अगर देते रहे फ़रपाद भी
यह ख़ुश होकर के बोले अब न आयेगे कभी
यह भी कह दो अब न आयेगी मुन्हारी याद भी
नाज़ भी -----

उम में निन कर गोज में पेदद यह उज़्दा ख़ुश
भोली भोली शरू पाते होते हैं ज़ल्ताद भी
याग का जाने का देता है अब लालच उसे
फ़ांन कर दो चार धूल धूल कम गया सैपाद भी
नाज़ भी होता रहे होती रहे पेदाद भी

— १० —

P. 4058

गज़ल देश

पी० ४६५८

न पूछो बसल क्या शप है कि जिसर दम निश्चलता है
यह हुआ गोशा क्या आरमान है जो दम निश्चलता है
न पूछो बसल क्या शप है ----

मथर कर घर से अब वह कातिज़ आराम निश्चलता है
तड़पत है हजारों सकुओं का दम निश्चलता है । न पूछो ---
यह कहते हैं कि मरता है तो फरमाने है य हसर
माज्जुब क्या है हम पर सकुओं का दम निश्चलता है
न पूछो ----

दूसरी तरफ :—

भजन देश

बिना रघुनाथ के देगे नहीं दिलको डरारी है
 खरी माता तू क्या पड़े अकथ छिने उगाड़ी है
 हमारी मानही करनी सरल दुनियां मे तियारी है । बिना ---
 भगत मोटे धरन ऊपर दगा तन की बिगाड़ी है
 कहाँ है राम सधमन और कहाँ सीता बिचारी है । बिना ---
 बजा जय नू बहा डू । एवढ होने तयारी है
 बरग रघुनाथ के पाऊ यही दिलमें बिचारी है । बिना ---

मिस अमीर जान

P. 182

दादरा पीन्डू

पो० १८२

कहो गुदवाँ केमे केटे मारी रान । कहो ---
 मर्या नदीं चाले तिया धरगाले । केमे केटे ---
 मेमे बेदरदा मे प्रीति ओ टानी कपटु न मानी बान
 कहो गुदवाँ केमे केटे मारी रान ---

दूसरी तरफ : -

सोहरा कुल्यान्दी

मालिन बना के भाई कहा साजराव मेहरा ।
 मेहरा मे है जहाँ के बड़ इन्कलाव मेहरा ॥
 मानी बमक गू है कलियाँ मटक रही है ।
 दौकल मूटा गू है क्या साजराव मेहरा ॥
 मेहरा बना मरामल मेहरा मरन की मरमल ।
 कलियाँ ई तारे बरगल और है महरा मेहरा ॥

P. 242.

गुज़ल दादरा

पी० २४२

यह माने वाले आर के सब पार बन गये ।
 मनमाने वाले मुक्त गुनहवार बन गये ॥
 हमने दिया था दिल उन्हें दिनदार जान पर
 वह सेने मेरे दिल को दिले आज़ार बन गये
 हुये हँदर से जो आवाज़ है सीना मेरा ।
 हुये हँदर दिल का नगोना पार बन गये ।
 उन गुन बगर रात को आती नहीं है नौद
 बिस्तर के तार हज़ में मेरे तार बन गये

दूसरी तरफ़ :—

गुज़ल क्यूबाली

लियू क्या मना तेरी शोहदी किया हज़ ने तुझको मलाम है ।
 मुदा बहता गुन पै दुमह है तेरी जान आली मुक़ाम है ॥
 तेरी आर्ष आली मुक़ाम है ग़ाहिदो जहाँ तेरा नाम है ।
 तुझे हज़ ने भेजा पयाम है कि तू दो जहाँ का ईमान है ॥
 लगा दित में हिज़ का नग़र दिया हज़ ने गुने ज़िगर ।
 लियू क्या मना तेरी शोहदी किया हज़ ने तुझ को मलाम है ॥

P. 337

दादरा क्यूबाली

पी० ३३७

ख़र हो नहीं उम जालिम को मेरी ख़र हो नहीं
 रो रो के अपनी आँखों में दग्गा बहा दिया
 सब है किमो के दिलकी किमो को ख़र हो नहीं—उम ---
 मिज़ाज हम तेरी समझ का है इंसो
 वह दिन नहीं वह यान नहीं वह नज़र नहीं—उम जालिम ---

दूसरी तरफ :—

ज़िन्दा बच्चावली

गुलक पर है दिमाग उनका ज़मी के रहने वाले है
 लुदा पे मोह देकर गारी दुनिया में निराले है
 मुम्हारे हिसमें क्या क्या गुलामी है मेरे दिम पर
 ज़िगर पर आद है (म में ज़मी पर मेरे नासे है
 कभी वो जात कलें है कभी गुम प्यार कलें हो
 मुम्हारी निगा में हजारों मार वाले है
 न हम सा दिल है न जात लुग ब्याली है
 वो भुगमोहे का दम भलें है बस देल भावे है — गुलक पर - - -

मिस असगरी जान

P 155

गुलक

वो. १५५

गजब किया मेरे बालों के जेलवार किया ।
 लयास राम कुलामन का दुलजदार किया ॥
 लुदा है मेरा वो कर्तव्य व चावदार किया ।
 अगल बंद मर है ला व लुबान हिस व बार किया ॥
 हुमा हुमा व हा गुन कपूर चारु बार किया ।
 मरतल्लो लुदा व व कलार किया ॥ गजब
 मर का कपूर व लुगल हिस व लुगल ला
 बंद कल किया व कल हो लुगल वर किया ॥
 वर लुग व कल हिस वर गजब किया
 वर लुग व लुग किया वर कलार किया ॥

यह माना हनने बीमार मोहब्बत की दवा तुम हो
न आपे काम जब करने तो ददें लादवा तुम हो
बूझ के हन हैं मूजिद वानी ज़ोरों ज़रा तुम हो
निभेगी किन्ति तरह हन बाबू है येकड़ा तुम हो
हने यह सज़ भी मज़ूर है तुम ग़ैर को चाहो
बनाये दद डल्लत के तो लहज़न आगना तुम हो
खुदा को भी पसन्द आता नहीं नाज़ो गल इतना
न बोलोगे किन्ती से तुम तो क्या कोई खुदा तुम हो
भरोसा ग़ैर को होगा तुम्हारी आगनाई का
यहो तज़े बूझाई है तो किन्ति के आगना तुम हो

—:०:—

P 8575.

दादरा

पी० ८१७१

ठोरी वाला पार गली में गवनवा नांगे ---
एक तो निरहिवा का पहरा । निरहिवा का पहरा
दूजे खग कोनवाल । गली में गवनवा ---
एक तो मैं बडिन की बेटो । बडिन की बेटो
हां दूजे भद बदतान । गली में ---
एक तो मैं धा जल की बेटो । मैं बडिन की बेटो
ओहा --- गली में ---
एक तो मैं बडिन की बेटो । मैं बडिन की बेटो
ओहा --- गली में ---
एक तो मैं बडिन की बेटो । मैं बडिन की बेटो
ओहा --- गली में ---

(ओहो हो । सखी में गानना - - -

। आरे लिङ्गी के रमने जानी । जानी हमारे साथ निधन क्यों

आहा हा हा याद दिहानी हो जानी बाह बाह ।

गवना संगे - - -

एक तो मैं बहिन की बेटा । कूने भयू बदनाम

गली में गवना - - - । बाह बाह भई बाह ।

दूसरी तरफ :-

दादरा

सोने दे बाबल हमें न जगाव - - -

बहाव बड़े पुरवैया सजनी गयू अ गवना में सोय

सोने दे हमें - - -

मेहदी लड़न मैं जो गई सगा लड़नियों में कांट

(आरे खुदा का बाबल कम सोजाना आज तो आगे

फिर खुदा जाने बाबल । सोने दे हमें न जगा । आरे बाबल

सास मोरी आरे लन्द गरवाने संयां का दरद दे रे बाबल

साने दे । सोने दे हमें - - - आरे बाबल

सास मोर



कुत्ते हो आँखें इकट्ठे के बीमार हो गये ।
आँ बीमार हो गये ।

पर भी न आये थे कि गिरस्तार हो गये ।
जाहिद बुराई क्या है हस्तीनों के इकट्ठे में ।

अच्छा निचा जो मान खरीदार हो गये ।
आँ खरीदार हो गये ।

दिन में बुनो का इकट्ठा है सब पर खुदा का नाम
अब क्या बनाने कितने गुनहगार हो गये ।
आँ गुनहगार हो गये ।

जिना खिच हम उनके मोहकनत हुई सेवा ।
परदेज करके आँ भी बिना हो गये ।

आँ बीमार हो गये ।
कुत्ते हो आँखें ---

नती तरफ : —

गुज़ल

पहले तो मुझे वादा तुम मेरा कहा करना । ;
तुझार हो जो चाहो छि जोरो ज़रूर करना ।

बोह ज़ुलत तो कर बड़े खानदान न सोचे कुछ ।
प्यार रहे हैं दिन में अब चाहिये क्या करना ।

इन्नाज़ मेरा पे प्युत अब हाथ न हँ तेरे ।
बेरेहन न हो जाना कुछ खोज़ा खुदा करना ।

बेरेहन ---

पहले तो मुझे वादा

1' 3085

दादरा

पी० ८

जगाय लायो गाम सोये फ़डरिया - - -

हमारे जगाये से सैयी नहीं आगे

जगाय लाये गाम के गले बड़िया

जगाय लायो गाम - - -

हमारे मनाये से सैयी नहीं मने

बाह जो बाह अब तो जागेगे

मनाय ला मार के बलबुडिया

जगाय लायो गाम - - -

बाह प्यारी जान क्या मारही हो

दूसरी तरफ :-

दादरा

बांके नयनन वाली गोरिया - - -

बान लगायो गगीवा लगायो उसमे राखी क्यारी

उम क्यारी में क्या बोया । इगु मोहम्बत मारी

बांके नयनन - - -

। इसी बजह से सैक़ो को पकवान कर दिया है । जान मन

बांके नयनन - - -

महला उठायो दोमहला उठायो उसमे रखी सिङ्की

उम सिङ्की में गोरिया बंठी चौकें रपहा साड़ी

बांके नयनन - - -

। और भी गजब कर डाला

बान लगायो गगीवा लगायो उसमे राखी सिङ्की

हम सिङ्की में गोरिया बंठी चौकें रपहा मारी ओहां

बांके नयनन वाली - - -

- - - - -

मिस अजीजन और लतीफन

P. 5709.

रसिया

पी० ५७६६

बदम तने आजाइयो बटोलें काजल वाले
जाली वो हरो री रझादे, हरो री रझादे
हरो रझादे पीलो रझादे छतिपन साल रझादे—बदम तने . . .
मोनेकी थलियामें जुमना परोमा बदम तने आजाइयो बटोलें काजल वाले -
मोने का गझा गझा जन पानी—गझा जल पानी
बदम तने पी जाइयो बटोलें काजल वाले—बदम तने आजाइयो . . .
पांच पान का बीड़ा लगाया—बीड़ा लगाया
बदम तने घया जाइयो बटोलें काजल वाले—बदम तने . . .
धुन धुन कलियां में मंजे बिछार—मंज बिछार
बदम तने मो जाइयो बटोलें काजल वाले—बदम तने . . .

दूसरी तरफ :-

रसिया

जालीदार घुघरा न खो नूंगी—मैं जालीदार ---
गिरि भी हमरा छप्पन भी हमरा—मैं देर देर छप्पन जीना बहनेकी—मैं--
गिरि भी मामू छप्पन भी मामू—मैं देर देर छप्पन जीना बहनेकी—मैं--
गिरि भी मनदन छप्पन भी मनदन—मैं देर देर छप्पन जीना बहनेकी—मैं--
गिरि भी जेठा छप्पन भी जेठा मैं देर देर छप्पन जीना बहनेकी मैं ---
गिरि भी मामू छप्पन भी मामू—मैं देर देर . . . मैं . . .

P 6178

रमिया

पी० ६१७८

कावे वे बीबी पड़गई के लहरी लाई मोय—बड़वा लाई मोय—कावे ---

एन एन के बमला के होरा मोठी दोरे मोय

लीन दिया मोन के लह गय बहिने लिलाईक मोय—कावेय ---

सन सन के बीबी के होरा बानी भाई मोय

लीन दिया मोन के लह गय बहिने दिलाईक मोय—कावेय ---

धन धन के बमला के होरा बीबी मगाई मोय

लीन दिया मोन के लह गय बहिने लिलाईक मोय—कावेय ---

आग आग दल बावे पीद बावे जेद

जेद बिबाग क्या के पड़गई के लह गय के—कावेय ---

दूसरा भाग

रमिया

दूसरा भाग रमिया कही गया हो दूसरा भाग रमिया

कावे बीबी पड़गई के लह गय बहिने लिलाईक मोय—कावेय ---

धन धन के बमला के होरा बीबी मगाई मोय

लीन दिया मोन के लह गय बहिने दिलाईक मोय—कावेय ---

आग आग दल बावे पीद बावे जेद

जेद बिबाग क्या के पड़गई के लह गय के—कावेय ---

P. 4661.

दादरा

पी० ४६६१

ना जाइये रे बिना कुलनी पलङ्ग पर ना जाइये रे
 टारे ससर मेरे भर्त करत हैं—टारे ससर - -
 ना जाइये रे बिना मोरे कुलाये घर ना जाइये रे—बिना कुलनी ---
 टारे जेठा मोरे भर्त करत हैं—टारे - - -
 ना जाइये रे बिना हिस्सा बढाये घर ना जाइये रे—बिना कुलनी ---
 टारी सास मोरी भर्त करत हैं—टारी सास - - -
 ना जाइये रे बिना सवाये मिटाये घर न जाइये—बिना कुलनी - - -

दूसरी तरफ :—

दादरा

गाड़ी मेरी रोको ना ये रसिया—गाड़ी मेरी - - -
 गाड़ी चलन मोरा बाला दिसत है बाला बालम का ये रसिया—गाड़ी - - -
 गाड़ी चलन मोको भूख लगत है—येड़े मथरा के ये रसिया—गाड़ी - - -
 गाड़ी चलन मोको प्यास लगत है—पानी जमना का ये रसिया—गाड़ी - - -
 गाड़ी चलन मोको नींद लगत है—मेज प्लो की ये रसिया—गाड़ी - - -
 गाड़ी चलन मोको गर्मी लगत है—पन्ना पत्तों का ये रसिया—गाड़ी - - -

तुम जान मन हनारी जानी न क्यूँ क्या क्यूँ—तु - - - -
 तेरे हाथ में गहरी गला न क्यूँ क्या क्यूँ
 तेरी नींदी नींदी बत्तियां निहून न क्यूँ क्या क्यूँ—तुम जान - - -
 तेरे हाथ में गिलोरी घोड़ा न क्यूँ क्या क्यूँ
 तेरे होठों बिच ताली लतन न क्यूँ क्या क्यूँ—तुम जान - - - -
 तेरे हाथ - - - - - तेरी नींदी - - - - -

दूसरी तरफ़ :—

दादरा

हये दुखों न डिपर मोरे मोरे मोरे गाल
 जो तो यह कह कि ये हिज में मनमाने हैं
 बापदा बार खुदा सम कर वह जानें हैं
 गुचे गालों का जो दोनों को निज़ा पाते हैं
 कम निनी कहा दगावाज़ कहा तो समाने हैं । हये दुखों न - - - - -
 हिना देख रहा है कम ज़ातिन ज़ातिन
 तुम को हर ई कलें नः ज़ां न बानिज ज़ातिन—हये दुखों - - -
 जो तो यह
 बापदा

P 6508

गुणद

पौ० ६५०८

आगिक दुर्ग हैं अत्राय लमदार देल कर ।
 रखना हमारे दुर्ग पर लमदार देल कर ॥
 हम दे रहे हैं दुर्ग की कीमत में मरुद दिय ।
 वह लात कर रहे हैं लमदार देल कर ॥ आगिक ॥
 माते से बन्ध कर लपती हर रोज मौन भी ।
 तेरे मगीत दुर्ग को भीमार देल कर ॥ आगिक ॥
 कालिय ने अपनी मौन से आगाह होगया ।
 मरुद रग कटु उटी तेरी लमदार देल कर ॥ आ० ॥
 कालिय ने तग मरुद लमदार से तेर कर ।
 होवी मनाई लुन की हर पार देल कर ॥ आगिक ॥

दृष्टांगी लमद . —

गुणद

आजव जान उललस में मेरी लड़ी दुर्ग है ।
 कि जूझो की दिल पर लड़ी दुर्ग है ॥
 मेरी कुल रोख में हमारा कर के ।
 ब्रह्म केरी लम में लड़ी लड़ी है ॥ आजव ॥
 तेरी दुर्ग लला है न लज्जा की कालिय ।
 आजव ही मेरी आजव लड़ी लड़ी है ॥ आजव ॥
 आजव ही के हाथों में निहारेगी आगिक ।
 जो तेरा लम तेरी दिल में लड़ी है ॥ आजव ॥
 लम से लमदा लु लमदा की लमदा ।
 कि लमदा मेरी लड़ी लम लम है ॥ आजव ॥

P 6502.

भेरयो

पो० ६५६२

अहसन से पूरा मैंने क्यों लफ्फा एगन को छोड़ दिया
 फुल्ल ने तेरी बेचन किया आगिऊ ने बलन को छोड़ दिया ॥
 अब नज़र रियो पर दाते क्या हम आगों पर तेरी सद्गुन करके ।
 जहल में हलन को छोड़ दिया ॥ अहसन ॥
 डुलफ़ जो सनमने उलटो स्पृ मे—
 सूरज ने गहन को छोड़ दिया ॥ अहसन से जो० ॥
 सारी उमर मेरी सोने गुज़री
 आँख खुली जय रहने तनहो छोड़ दिया ॥ अहसन० ॥

दूसरी तरफ़ :—

गज़ल

चोर कर सोना जा दिल तो नज़र दिलवर कर दिया ।
 दूर एक पहलू से गोया दर्द का घर कर दिया ॥
 चाँद मेरे चाँद की क्या ताप लायेगा भला ।
 ज़द जब मुँहदि को सूरत दिखा कर कर दिया ॥
 एक तो पहिले हो यह घुत सगदिल मयहूर था ।
 कुछ अदूने और उस पत्थर को पत्थर कर दिया ॥
 घोर कर०

P 0612

दादरा

पी० ६६१२

गाँविया ते हम ते माँहें बने रे ।

बूँटाओ महरा को मजाने कोलिया, बूँटाओ महरा को मै' मइके कनी रे ।

बूँटाओ चार सलिया मजाने मजरया, बूँटाओ रमियाको मै रममें भरी रे ।

बूँटाओ मेहरा को मजाने कोलिया, बूँटाओ महरा को मै गाँने कनी रे ।

बूँटाओ रंगेरया रंग लाछे जाओ बूँटाओ महराको मै कैंयो कनी रे

दूसरी तरफ़ :

दादरा

सगी कैंने हुँदे मामा चाँद किया जाने । चाँद किया जाने

अब मागी लव कोऊ न जाने

अब मागी दुख देह । हाँ रे किया जाने

देहा—धुर्गाधन मौन सङ्ग है कि मेरी जी बेहर रहू ।

चाँद सगेया को कद हिंद है कि मेरी बाल गंद है

मेरा लव जमा है कंगोब लहरी जानी है ,

लव जो दिखने है तो क्या बड़ी मरु घाली है ॥

चाँद किया :



P ०७५१.

गुजल

पि० ६६५१

इस वह मर से मेरा ज़ातु दिन्दार हो जाना ।
 वह बेहोषी में ज़ाहिर मौत के आगर हो जाना ॥
 जो माने करता है वह खोज बदनामी से करने है ।
 दुहाई देत रात्रे दुहाई का दुहाइ हो जाना ॥
 लिपट कर मेरी मर्त से वह धोने अपने तेरी नादानी ।
 हम जाने हैं अब इस नींद से दुपार हो जाना ॥
 मुझे नरक समझार आर की कुल में इतनी है ।
 हम आते बन्द करना आर का दीदार हो जाना ॥

दूसरी तरफ :—

गुजल

आँखों में धम गई है उस सुद सुना की मृत ।
 ना आना बनी है हर आना की मृत ॥
 और आँखों के सामने है और आँखें लम्बी हैं ।
 एक दोपदा है पाते इन जितने गर की मृत ॥
 भली नहीं है नियत और धरती नहीं है आँखें । आँखें - - -
 पाँ है सुने ज़ातित वरु जिन बला की मृत ॥
 और अज्ञान सुदा की कुदरत है देखने के ज़ातित ।
 एक वे बला की मृत एक बाबला की हालत ॥

P 6674

दादरा

पी० ६६५५

जब काला मोरी गलियों में आया, डिग्री में छाई अंधारी दुआ

आ हा हा हा । दुआ में तो हर गई ।

जब काला मोरी डिग्री में आया, आंगन छाई अंधारी दुआ ॥ आहा०

जब काला मोरी आंगन में आया, कमरे में छाई अंधारी दुआ ॥ आहा०

जब काला मोरी कमरे में आया, मेजों व छाई अंधारी दुआ ॥ आहा०

जब काला मोरी मेजों व आया, तो सजना व छाई अंधारी दुआ ॥ आहा०

जब काला मोरी सजना व आया, तो जीवन व छाई अंधारी दुआ ॥ आहा०

दुगरी तरंग

दादरा

झुंझों में लय बुर, बड़ी बार मेरा

हल में बुरी कल में मोटा, गलिया के मल मोटे बड़ी बार मेरा ।

हल में बुरी कल में मोटा, डिग्री के मल मोटे बड़ी बार मेरा ।

हल में बुरी कल में मोटा, कलिया में हल के बड़ी बार मेरा ।

हल में बुरी कल में मोटा, मलिया के मल मोटे बड़ी बार मेरा ।

हल में कलिया कल में मोटा, हलिया के मल मोटे बड़ी बार मेरा ।

हिन्दी प्रामोदोक्त रिक्त स्थानों

२७

P 6693

दादरा

पृ० ६६१३

माही तिरारा मे राजा भुमरा आये । माहीः
 बची माही पेठ पुनारे पडे माही गोला ।
 पारही मारे बन्धी भालार बो मारे टोला ॥ माहीः
 पय बीन जितला है, गुली पय बीन जितला है
 गारी हो के हम तब धो मय गोली बो मय गोली । माहीः
 मेरे पानू में जो बंदो तो निभन बर बंदो
 हां दिन मादान बो आदत है नियन जानेरी ॥ माहीः

दूसरी तरफ :

दादरा

पीटर भां दया मयां बना
 पार मीनरा बो गनी पृत है । पीटर भां दया

P 6710

दादरा

पृ० ६७१०

गुजर बिज जाये मन मेरा निरहिदा, जुगन बिजे जाय मन
 हमरे निरहिदा को यही यही आखियां, परमा गुज बिजे जाय मन
 हमरे निरहिदा को बाली बाली जुलु, पगिया गुज
 हमरे निरहिदा को मन्दी मन्दी दनियां, मिगिया गुज

1. 1000

दादरा

पृ० ६१३

जब कल्ला मारे गजियों में आया, डिंडी में दारि अंधारी दूया

आ हा हा हा । दूया में लो आ गई ।

जब कल्ला मारे डिंडी में आया, आंगन दारि अंधारी दूया ॥ आहा १

जब कल्ला मारे आंगन में आया, कमरे में दारि अंधारी दूया ॥ आहा २

जब कल्ला मारे कमरे में आया, मेजों व दारि अंधारी दूया ॥ आहा ३

जब कल्ला मारे मेजों व आया, लो कल्ला वे दारि अंधारी दूया ॥ आहा ४

जब कल्ला मारे कल्ला वे आया, लो लोहा व दारि अंधारी दूया ॥ आहा ५

दूसरी तरफ,

दादरा

जब कल्ला मारे लोहा व लोहा व लोहा

लोहा व लोहा व लोहा व लोहा ॥ लोहा व लोहा व लोहा व लोहा ॥

लोहा व लोहा व लोहा व लोहा ॥ लोहा व लोहा व लोहा व लोहा ॥

लोहा व लोहा व लोहा व लोहा ॥ लोहा व लोहा व लोहा व लोहा ॥

लोहा व लोहा व लोहा व लोहा ॥ लोहा व लोहा व लोहा व लोहा ॥

लोहा व लोहा व लोहा व लोहा ॥ लोहा व लोहा व लोहा व लोहा ॥

P १००३

दादरा

पृ० ६६१३

साड़ी गिराई हो साका भूमा धारि । साड़ीः
 बंधी साड़ी पे चुनारे पड़े साड़ी मोजा ।
 पारहो मारे बन्धो भालार को मारे रोता । साड़ीः
 धर बीज दिनावा है, प्यो धर बीज दिनावा है
 गारो हो वे दम तक धो मर मोलों को मर मोली । साड़ीः
 मेरे प्यार में जो बंधे तो निभन बन बंधे
 हां दिन गदग की आदर है निचन जानेही । साड़ीः

दूसरी तरफ़ : -

दादरा

पीहर भी दूना सायां बना
 पार महीनरा की गली पड़त है । पीहर भी दूना



P १०१०

दादरा

पृ० ६७१०

गजब किन जाद मन मरा निराहवा जुनम किन जाद मन
 हल निराहवा को ब. १ ब. १ आहवा गुमा तय किन जाद मन
 हल निराहवा को काया काया जगज गारा गजब
 हल निराहवा को नारा नारा गुजब नि मरा गजब

हिन्दी प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान

प्रयोग

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

—

प्रयोग

प्रयोग

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान

प्रयोग

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

प्रयोगिक विधान की नीति

P. 7095

होला

पी० ७०६५

मारल मार ननन मां विचरारो
 दिया मैं तो ऐसे खिलाड़ी स हारो—मारल मोरे . . .
 गाढ़ा रंग लगे हृतिपन मां । बारो लगी विचरारो
 जाआ बचन मारा अंघरा फटन है तुम जोने मैं हारो—मारल मोरे . .
 एक हाथ मारा अंघरा रे परड़ा दूजे हाथ मोरो मारो
 तोजे हाथ मोरो अंगियारे बोच—हां बालन नैनन मां—

दूसरी तरफ :—

हालो

फाग खंचन बंम जाऊ सखो री हर के हाथ विचरारो रहत है
 सब को रे बन्द रंग मेरे बोरो देख हमारी घुदर गुलनारो रहत है
 लाला हमरो सयां हमरो घुदर—होलो खंचन बंम जाऊ —
 होलो के खिलावा समक हालो खंचा इम रे पुज राधा व्यारो रहत है
 फाग खंचन बंम जाऊ —

—(०)—

P. 7372.

दादरा

पी० ७३७२

गगरो मोरो तोड़ी रे योर भोलें
 घड़त अटारो मोरे देपरा ने देख—मोर हां मोरे देपरा न देख
 हां शरन से मैं मर गई रे—योर भोलें : ओहो शरन स मर गई रे योर - -
 घड़त अटारो मोरे सयां ने देख—घोलो बन्द खुल गई रे—योर भोलें
 गगर मोरो तोड़ डालो रे— सुभान अलाह)

[illegible]

U.S. DEPARTMENT OF AGRICULTURE

4 45 50 55 60 65 70 75 80 85 90 95 100

[illegible]

१.३ (—) नगरपालिकाको सीमाभित्रको सबै भूभाग (सबै)

॥ कर्मणो भव्यं स्वर्गं कुरुते ॥

LA 07: 5 "T 6 194 1017 1011 1141

આથી જ તેમણે આ બાબતને સારી રીતે સમજાવવાનો પ્રયત્ન કર્યો હતો.

५४ श्री गुरुभ्यो नमः । श्री गुरुभ्यो नमः । श्री गुरुभ्यो नमः ।

[illegible]

549 550

ALL INFORMATION CONTAINED HEREIN IS UNCLASSIFIED

பெரிய அளவுக்குள்ளேயே இருக்கிறார்கள். இதைப் பற்றி நான் சொல்ல விரும்புகிறேன். இதைப் பற்றி நான் சொல்ல விரும்புகிறேன்.

Page 4 of 24

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

P. 7585.

दादरा

पी० ७५८५

रूम भूम से धुंगलू पाजे रसिया, गोरि री मेहरपा मेरी रसिया
जैसा तारा धमकता आवे रसिया, काली री मेहरपा रसिया
जैसे बादल गरजता आवे रसिया, रूम भूम से—
टिंगली री मेहरपा मेरी रसिया, जैसे गेंदा उडलता आवे रसिया
आहा हा गेंदा उडलता आवे ओहो गेंदा, रूम भूम—

दूसरी तरफ :— मिस खुशदजान—फजरी

अखियां ऐसे जियारा मारे बजरा काहे देती हो
अजब रंगीली दितवन है मन छीने लेती हो, अखियां - - -
यही मुख्त तन मन रंगों लीने लेती हो, अखियां
अजब रंगीली दितवन है मन छीने लेती हो, हां, अखियां - - -

P. 7847

गुजरा

पी० ७८४७

इलाज की नहीं हाजिरी दिलो जियार के लिये
वस पुरु नज़र तेरी काज़ी है उमर भर के लिये
गुदा ने तुझ को धनाया है नाज़गी इज्जत
अदा की तू है मोज़ू तेरी कम्बर के लिये, इलाज - - - - -
मे अतनी जान की मुहो मे लंके आया है
यह नज़र है तेरी जादू भरी नज़र के लिये, इलाज - - - - -
जलील दोद मे ख़ुश मे गुदा समझे
लहू की बुद न हो, दिलो जियार के लिये, इलाज - - - - -

दूसरी तरफ :—

मैरवी

उधे दिया जाये र प्रसन्नो इर लागे । अरेबी इर - - - -
 इन पुन मीन से मेरु बिदायो
 पोर हाव से हो गई भोर रे, अरेली इर लागे - - - -

— (१५५) —

मिस दुलारी

P 6471

दादरा

वी० ६४३१

मेरी मेरी मोदी में मेरा बन जाऊ गी, मेरा ही मेरा बन जाऊ गी
 दिया लोने मोदी में मेरा बन जाऊ गी मेरी - - - - - (यो हो)
 जो मोर मेरी को मूल सोंगो पूरे बचौरी अरेबी बन जाऊ गी
 मेरी मेरी मोदी - - - - - बहुत खप्पे
 जो मोर मेरी का दिया सोंगो मगा अम्मा निरबेरी बन जाऊ गी
 मेरी मेरी मेरी - - - - - यो हो
 जो मोर मेरी को मोर सोंगो पूरे लागे लगया में मेरा बन जाऊ गी
 मग मग मग मे मग
 मग मग मग मे मग मे पुन-पुन बन जाऊ गी वाह दुलारी गाने

दुखी बनने :-

दुख

दुखी बनने बनने को मने मने से, दुखी

मेरे मने मने मेरे मने से मेरे मने से बाधुलकी कीमति

दुखी बनने बनने को

मेरे मने मेरे मने से मेरे मने से

मने से मेरे मने से कीमति

दुखी बनने

मेरे मने मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से

मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से

मने से मेरे मने से मेरे मने से

दुखी बनने बनने को मने मने से

~ ~ ~

१९. १९९९

दुख

१९. १९९९

मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से

मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से

मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से

मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से

मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से

मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से

मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से

मेरे मने से मेरे मने से मेरे मने से

दूसरी तरफ :—

राज़ल

आखी में समाजो पदों में रहा करना ।

दरवा भी हमी में है मौजों में रहा करना ॥

यह पहिला विरिधमा है हम वर्ष सितमगर का ।

आज हमने मिला करके कम उसमे जदा करना ॥

बीमार मोहक्यत को गर होयमें लाता हो ।

ज्ञानो पे लिखा करके दामन से हवा करना ॥

हम यममें हैं बल बल के हर काल पे बढ़केंगे ।

सुम बृष यज्ञ बन कर पूरोंमें रहा करना ॥



P 10013

राज़ल

पी० ६११

गुने शवाच खिने दुम्न पार वेदा हो ।

हमाही जन्म चमन में बहार पंदा हो ॥

कहो ला काट कर मर गय तु उनक अरमों पर ।

जिम्मा नरक में है - - - - - ॥

अपने काल में मर जाय ॥

॥ १ ॥

। ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥

दूसरी तरफ :—

दादरा

हाफिज लूदा तुम्हारा आँखों दिलस दिल आरा
 सोने पर आँख में रोज़ बना दुधारा । हाफिज ---
 इलाही सैर के रंग आँख पेइव है ।

टकर रहा है कई दिन से आदला दिल का ॥
 जो हाल कृषये जाना का लोग पूछेंगे ।

कहेगा सुट गया रस्ते में आखिला दिल का ॥
 भूल न जाना हमको दिल आरा
 जोने से बनना होगा बिनारा
 जिंदगी ने गरकी बरफ़ दिल रवा तुमसे मिले गे आ
 हाफिज लूदा - - - - -

— ० — ० —

P. 100/4

मजन

पौ० ६६

निम्नतः प्राण काया कोइ रोइ—छोः चने मिमोही ।
 ये जानू काया सग बनेगो—या करण येने मल मल धोइ ॥
 इ चं मोचं मन्दिर दुं—गाय भोग धर धो ॥
 आत कुम्हारों किया का १—दो १ दो १३ का जोका—छोः चने - -
 चार नन क कोइ बड—बड मल का जो १ ।
 न मुन मरुत न नान—क १ ३ १३ का मान माला—छोः - -

हूँ लखी तरफ : मदन लायनी

मान कर ते दो है का जदोय अरु ।
दोनों मनहो भावना दोनों डेर निज मन ॥
मोने को दोनी को मनन हुन्य उरागह राधेदान ।
राम धन्य के भगत पुकारे मोताराम भई मोताराम ॥
नाची कहने लगा कि यह तेरा करता है जानन सेव ।
बहाव दोत उठा कि नहीं जो दौट बिगन लड़ा तवेर ॥
दोनों दोना धुड़ी बुझना—दुपरां धातों दामन जेव ।
एकत मनना इन दोनों को हार ब, मानन राजेव ॥
दमाते में मनन सिपा हि मानिय मोने सिपा कादान ।
राम धन्य के भगत पुकारे मोताराम भई मोता राम ॥

P 6711

गुजरा

पृ० ६९११

क्या हार थी गजदित अपना जगं हो जायेगा
क्या हार थी छाह का रोना धुआं हो जायेगा
हार अब क्यों कर जोड़ती प्यारे अनात के हार
यह न मानती थी कि दुखमन कामनां हो जायेगा
क्या हार था रात 'दम अपना जगं हो जायेगा
मानन हो उठ लख ह का भक्त प्यारे डेर व
'हम न 'का लख ह कामनां न हो जायेगा -

दूसरी तरफ :—मिस दुलारी और मास्टर जमाल नाटक महामान

तेरा चमार कहता है—घोड़ों बड़े महाराज पूजा में बैठ ओ सँ चाने
का समय हो गया । जो मैं चमारों वाले कुएँ पर लाऊँगा तो और ओ
देर दोगो—इसी कुँवे में एक दोस्तनी भर खुँ कोई देखता हो मारेण
थो दो । कोई को मारेगा ।

कह दूँगा कह जोः कर ओ मारेण सोंग

अभी लगाना है हमें भारावतु का भोग

(सवाल व जवाब)

कौन है रे कुएँ पर ! मैं हूँ ओ सेवा

कौन सेवा ! पेता चमार का पेता—

तुझे हम कुएँ पर चढ़ने का छिपने हुकम दिया है ।

छिपी न भी नहीं ।

तू मूर्ख है—क्या तेरी आँखें बूढ़ गई थीं ? देखता नहीं, कि मन्दिर का
कुत्ता है न कि चमारों का कुत्ता ?

बढ़ तो दीक है पर पानो चमारों के चिये नहीं चाहिये था ।

चमारों के चिये नहीं चाहिये था तो क्या चमड़ा को बालूची से बालूची
का मुँह पगाना था ?

नडा बाँटे । दाकड़ का का भोग लगाना था ।

क्या नडा खर तो नडा—जो चमारों को चीन लगाना—मुख बीच डीम नहीं
चमारों के चिये नहीं चाहिये था तो क्या चमड़ा को बालूची से बालूची

का मुँह पगाना था ?

नडा बाँटे । दाकड़ का का भोग लगाना था ।

भला होगा—भलीदो से राखो दया—
 छोरे जोरे बनीने मुण देहवा—भला होगा - - -
 सननाइ सी बनी पिटाइ सी बनी ! बरो बरो मुन मन चाही
 बेसी बेसी दिवाई दिवाई मुभ—छोरे दीइ न साज आई मुकं ।
 हुई यद एता सो जूने गिन गिन के भारो ।
 भला होगा ! भलीदो से राखो दया ।



P 0054

भजन

पौ० ६६५

हां मँचा हने दे बतनाय वहाँ गये राम लखन सीता
 जावन देखा भजन को आरति सोनी सजाय ।
 मुक्त आरति उतार के गोद सोनी पिटाय ॥
 भजन बंदे माता—वहाँ गये राम लखन सीता
 राज करो गद्दी पर बैद्ये मत करो सोचा विचार ।
 अय का पड़न बार बार कि होगया होनहार ॥
 " दुबन दिया बन के जाने का " वहाँ गये - - -
 एन माता के यजन यह भजन गये घरनाय ।
 नैनन उतारे नौर भरा मुख से निहलन हाय ॥
 जो अय हन बँमे विधाता—वहाँ गये - - -
 रिता हन मँचा का दिछन यह दुख सो न जाय ।
 एक दिन रोते काटे बारह बरन बननाय ।
 भज देवो बनको के माता—वहाँ गये - - -

दूसरी तरफ :

भजन

राज्य पर आप के ही निम्न यह जान मेरी ।

मिही लग चित्राने करणा निधान मेरी ॥

भारत भक्त गमकना तुम दूसरा एरामा ।

गंगा की दूरी दगा है उनके गमान मेरी ॥

भक्तों की आन हो गर फलपाद न छोड़ो ।

चिर और और ऐसेगा यह क्षणान मेरी ॥



1. 1977

विभाग प्रथम भाग

पृष्ठ ६१७७

काम गल हो जाहि हो—काम गल - - -

मुनी वाग्विद मे वाग्विद जानो—सुख मे समान चरो

गोता हरन दमक्य का मरन दमके बिलत वही—काम - - -

कही को कद—कही को वारी कही मृग चरो

गोता का हर मेगवा गदगद रुदक सङ्ग जरी—काम गल - - -

दूसरी तरफ :-

विभाग दूसरा भाग

काम गल हो जाहि हो—काम गल - - -

मीन बाव इगो इ विज्ञान—दली वातावन चरो

कोट गायन नित नित कानन - - -

कोट गायन नित नित कानन - - -

कोट गायन नित नित कानन - - -

कोट गायन नित नित कानन - - -

कोट गायन नित नित कानन - - -

P. 7011.

दादरा

पी० ७०११

हम का खर्च दिये जइयो जब ही तुम जइयो विदेमन का
जब रे दिया दरैस तिघरियो हमरो छथ न फिरइयो ।
जब ही - - - - -

सास ननद मोरी जनम की बैरन उन का अलग किये जइयो ।
जब ही - - - - -

छोटा देवरवा थारे का छलबलिया उनका सग लिये जइयो ।
जब ही - - - - -

छोटी ननदिया महा की छिनलिया उनका गान भिये जइयो ।
जब ही - - - - -

दूसरी तरफ :—

दादरा

आआ सखी आआ देखे महेन्दी की पहार ।
सास मेरी धोली कि यह घरमें परा साग ओ हो हो हो ।
मैं भोली समझी कि यह घरमें लगा आग वाह वाह ।
अरे वाह रे भोली अरे वाह रे नन्हों ।
सास मेरी धोली कि यह चावल फटक ते आ हा हा हा ।
मैं भोली समझी कि यह चावल पटक दे वाह वाह
अरे वाह रो भोली अरे वाह रो नन्हों ।
सास मेरी धोली कि यह कपड़े धुलाला आ हा हा हा ।
मैं भोली समझी कि यह कपड़े जनाला आहा हा हा
अरे वाह रो भोली अरे वाह रो नन्हों ।
आआ सखा - - - -

P. 7032

पील्डू

वोल. ७०३२

आज़ दिवसर को गने से लगाने में
 दिन की लगी बुझाने में सोने से सोना मिलाने में
 आज - - - -
 गुन बेगार के लगे दिवदार के
 दिव भर भर के बोसे उगाने में । आज - - - -
 लखड़ी जाकर मिलूँ मैं दिवदार से ।
 अपने राम लुहार से गुन बेगार में
 हाँ हो न रंगा कि हाँ जाऊँ मिला
 होकर को गीत गावों के दूँ जाऊँ किम
 हो जाऊँ गुनगन में दिन को बह जावे में । आज - - -
 सोने से सोना - - - - -

दूसरा तर्ज़ :—

गज़ल

फिर पड़ना है दिने रात लूटा लुर करे ।
 उन में हो जावे न लखार लूटा लुर करे ॥
 महरबान होने है या मुक प लख जाने है ।
 या मैं जाने हूँ गरगर लूटा लुर करे ॥ फिर - - -
 ज़ुलम ज़ुलमी हुई यमा हुआ काकर देना
 बह हुई लूटा लुर से ज़ुलम लूटा लुर करे ॥ फिर - - -
 महरबान होने - - -

P. 7096.

भैरवी

पी० ७०६६

नदीने में मोर दिया मेंनां वाला हैरे ।

भर दे जानको सरते अहमद—भर माझी को सर वाला हैरे । नदीने --
अनाना खः बांधने थे ग्राह सरफराज

जगरैल से फरमाया कि पे मोनल व दन साज

इस परदे आ हिज से तुन्हे आतो है आवाज

देखो तो उदा कर वहां पायांदा क्या राज

जगरैल ने की अज कि जुदत मुके क्या है

महबूब ने फरमाया कि जा मेरो रजा है

अरे नदीने में मोर सदां वाला है

दूसरी तरफ :

भैरवी

फना कैना दया कैना जब उसरे आयना ठेरे ।

कनो इस घरमें जा निरने कनो उन घरमें आठेरे

मोहम्मद मुस्तफा आर हजरते यूसुफ से क्या नितबत

वह नतदूब जपेगा है वह महबूब खुदा टेर । फना - - -

चहारम आगमान में रह गये हैं हजरत ईना

मगर अगो मगहा पर मोहम्मद मुस्तफा टेर । फना

फना फिता जब हम होचके तो हम हो हम है

कहाँ दन्दा देने अरने कहीं अरने खुदा टेर । फना

भला फिन तरह से गरदिय में आये फिनोरे उन्मत

हुतेन अन्न अन्नो दइयत से कोई ना खुदा टेर । फना

अब कैसे जायता बसामो गयो ।

फागन मस्त महीने की होरी ॥

रक्षा सब संग लिये फिरत है, बाहर निरुद्ध इतने ही भोरी-अब
 सब नाराज से दुलारी दिनती परत है, बाहर निरुद्ध तो हाजिर महीने-अब
 फागन मस्त महीने की होरी --- अब ---

दूसरी तरफ :-

होली

मेरा मन मोहन से गयो भाई

मेरे अरुने घर बंदो-अबानक मारपी आता छनाई

माणल बान तन जैसे बारी-जिया बिध गयो है हमाराई

घाव नहीं देत दिनाई-मेरा मन - - -

तनक दिन मन होन भाई है सब कुछ गई है भुनाई

ग्याम ग्याम रट लाग रही है व्याकुल होय उठ पाई-मेरा - - -

मेरे बारी मइयां व्याकुल हो उठ पाई

बढ़ी है कुंवर बड़ाई-मेरा मन - - -

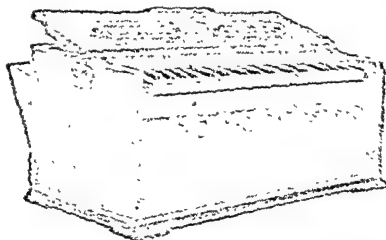
जब कि

आप हाथमोनियम

खरीदें तो

हमारे हाथमोनियम के सुविधाओं को न भूलेंगे, हमारे यहाँ बहुत ही
बिस्मय के हाथमोनियम प्रकारों का भविष्य मिलेगा।

हमारा हाथमोनियम की कला हम आपको समझा देंगे कि कौन-सी से
हमारे आप आसानी से यह जान सकते हैं कि आप क्या चाहते हैं।



यदि हमारे आसानी हाथमोनियम लाने पर

मेहनत का आना के आने हैं

हमारे आप

“हिज मायुम वयेस”

धगली कृता भाडी

‘नया’

हिज मायुम न० ३३

प्रामाफिन

पुस्तक कय ११ बी.ए.ए.
 लच्छरी ३४ बी.ए.ए.
 लच्छरी ३४ बी.ए.ए.
 ११ बी.ए.ए. का
 ११ बी.ए.ए. का
 ११ बी.ए.ए. का

हिज मायुम वयेस
 लच्छरी ३४ बी.ए.ए.
 लच्छरी ३४ बी.ए.ए.
 ११ बी.ए.ए. का
 ११ बी.ए.ए. का



पुस्तक कय ११ बी.ए.ए. का लच्छरी ३४ बी.ए.ए. का

गम गम, मायुम

पुस्तक कय ११ बी.ए.ए. का लच्छरी ३४ बी.ए.ए. का

पुस्तक कय ११ बी.ए.ए. का लच्छरी ३४ बी.ए.ए. का

पुस्तक कय ११ बी.ए.ए. का लच्छरी ३४ बी.ए.ए. का

P. 7208.

भैरवी

पी० ७२०८

बल बह दामनगीर धे राम आज दामनगीर है—राम आज—
 सुवाप तो अच्छा था लेकिन क्या पुरी ताबोर है—क्या पुरी —
 बल बलन की धार बलियां चुन कं मुजरिम बनगये-चुनके . . .
 आज राहरी में मेरा हर खार दामन गीर है-खार दामन . . .
 मर बसर एतु चेगे एक दिन जलवा गाहे नाज़में-जलवा —
 उम्मेके मिलनेके लिये यह आदमी तदगीर है-आदमी . . .
 दिल मेरा तो चाहता है उम्मेके मिलनेके लिये—उम्मेके . . .
 सुद अदूसा खोऊ है सुद राम दामन गीर है-राम . . .

दूसरी तरफ :—

बलंगड़ा

पेटुद ऐगा सिया खौऊ गाप तनहाई ने ।
 खरह ने रामज जतादो तेरे गैदाई ने ॥
 हुरुने कामन की जो हद रस्सी धी रैनाई ने ।
 और जा हाथ बड़ाया उमे आग आई ने ॥
 नगांग हम्म गानोका अरज दनना है ।
 हाथ बड़ाया जतादो तेरे गैदाई ने ॥
 नगांग हम्म गानोका अरज दनना है ।
 हाथ बड़ाया जतादो तेरे गैदाई ने ॥

P 7209

भैरवी

पी० ७२०९

नादे पड़न मोको धन—न पड़त हूँ दिन रन रे सांरलिया ।
 तुम दिन हमको बलन पड़त है । तुम दिन प्यारे बल - - -
 नीर बहुत दोऊ नन सांरलिया—नादे पड़न - - -
 तुमनि प्यारे बलन पड़न है नीर बहुत दो नन रे सांरलिया

दूसरी तरफ़ :-

भैरवी

मनवाने नैनवा जलम कर ।
 आखे यह कह रही हैं कि दिलन किया मराय ।
 दिल बहरहा है आँखों ने हम को दियो दिया ॥
 बिगड़न किसीका कुद नहीं हम दे दे इकमे ।
 दोनों को जिदने खाकमे हम को मिता दिया ॥
 तू है मगरूर दिले आजार यह क्या, तुम पर रहता है मुझे प्यार यह क्या
 जानना हूँ कि मेरी जान है तू—औरमे जानने बेजार यह क्या ॥
 तेरी आखे तो बहुत अच्छी हैं—गद इन्हे कहने है बीमार यह क्या ।

P 7233

होला फाग

पी० ७२३३

बिन बादर बिजली कहा चमकी । बिन - - -
 ना यही गजे ना यही बरसे
 गोरिषाके माथे बिन्द्या चमके—बिन बादर
 ना यही —

हिन्दी ग्रामोफोन रिकॉर्ड संगीत

५१

दूसरी तरफ :— होली

जमना तट राम गले होरी—जमना तट

दौड़ दौड़ पियारी घनावन

अपनी गुनाह भरे भोजी

जमना तट राम गले होरी

दौड़ दौड़

पी० ७२३४

गुजल

P 7234

गिनारोमें जो हूँ फिर न उभरे जिनदगानी में ।

हज़ारों यह गले इन घेतनों के बन्द पानी में ॥

ना कर बरबाद अपनी जिनदगी घेतन के दीवाने ।

यह बाढ़गा बूढ़ाने में जो घेता है जगनी में ॥

यह दारु का प्याला मौत का बड़ा प्याला है ।

मिना है ज़हर शयत में दिरी है आग पानी में ॥

गिनारो में जो

गुजल

दूसरी तरफ :—

यु ज़ुलम कर न ज़ालिम सत्त्व व धरम के बदने ।

एक दिन मुझे मिलेगे ज़ुलमो मितम के बदने ॥

इस ज़ुलम नारंग की आखिर सज़ा मिलेगी ।

दोस्तर का सार होगा बागे धरम के बदने ।

दौलत न साध देगी हयमत न पाम होगी ।

कोई बचन में होंगे दानों दरम के बदने ॥

इस ज़ुलम ना

P 8025

दादरा सायन

पी० ८०२५

पाट की चोखिया मिनाये देवरा जोगिया
 रतिपा हरीया बन्दरा लागे देवरा जोगिया
 चोखिया पवन ब हन गई पत्रिया
 खरा गिराया मुनीये देवरा जोगिया
 हमरा जो हुआ मद्दग का मोहर मांगिया का बावरा
 दहली दहली रमयाये देवरा जोगिया

दूसरी तरफ :-

दादरा

बरो मोने बतिया नैना मिनाये-नना मिनाये बरो मोने - - -
 मेरे बहाँ पाटु ल्याके धरने-बाथेगे सारी बहाँ प्यार रतिनां
 दिन तुम्हे दे चुके अब जान रहे पा न रहे-जिन्दगी का कोई सामान रहे पान रहे
 अच्छा बेश मिना जाओ वहाँ तुम जा हत हुई हैं मोत तोरो बतियां
 नैना मिनाये बरो मोने बतियां

—————:०:—————

P. 8026

गजल

पी० ८०२६

सर फुरौरी की तनका अब हमारे दितने है
 देखना है जोर कितना बाहुल्य हातिनमें है
 रह बर सौ मुहब्बत रह न जाना राहमें
 सज्जने सहरा नूर दो दूरमे मझिपने है
 पक, जाने दे बताइगे तुम्हे ऐ आत्मों
 हम अभी से क्या बताये क्या हमारे दितने है
 ऐ गहरी मुस्कय मिलन मै तेरे ऊपर नितार
 अब तेरी हिम्मत का घसाँ गैर की महकिल में है

दूसरी तरफ :

सुझन

मन जानी से हो जलें हो बालिर नाम है
 तुम उठाओ मेरा मरदाना हमारा नाम है
 मैं नहीं मिचो तो दीने हैं मरु के घुट हम
 दिखो माओ है मेरा और दिखो दिखो जान है—दिखो-मन जानी ---
 पढ़ने माता सोर मूँहो फिर गये मिचो मिचो
 क्या उलो दिन बा कदक था दार बी इन्जोर से-मन जानी ---
 मैं नहीं मिचो तो दीने हैं मरु के घुट हम
 दिख हो माओ है मेरा दिख हो दिख बा जान है—मन जानी ---

—:—

१ २ ३

दादरा

प्ले ८६३१

नाम सेउरिया पर मोली मरदाना गये
 न बुझ रे गये न बुझ रे गये
 बापों उमिरा में नाम लगाये गये है—नाम सेउरिया -----
 बलमिली है तो जिने भी है गिराणे उठो
 अपने मरुद है कि हम मरु जिने देते
 हम से बिगु के मोली मरुद या मोले हो—१ २ ३ ----
 बापों से बलम लगाये गये है—नाम सेउरिया ----
 नाम मरुद मोली मरुद हो मरुद
 मोले मोली हमारा लगाये गये है—नाम सेउरिया ----
 मरुद से मरुद न बोलो मरुदों गिराणे जो हो
 मरुदाली से हमसे मरुदाली से जिने हो गये—हो नाम से :-

गज़ल

दूसरी तरफ़ : —

आराम के थे माथी क्या क्या जय बक्त, पड़ा तो कोई नहीं
मय दोस्त हैं अपने मतलब के दुनिया में किसी का कोई नहीं
बैठे हैं वहाँ आहूँ समनद - - - - -
या यज़म तरय या कुन्जे लहद या मोम समाशा कोई नहीं
है आरज़ यम इतनी ही पता चलता है तेरी धरयादी का
जिम में न बगुन हों पदा इस तरह का सहारा कोई नहीं
आराम के थे माथी - - - - -

गज़ल

४०४७

पौ० ८६८७

जाय ये जान हिज़ में या पसने बार हा
अरे होना है जो कुछ आज ही परवर दिगार हो
दिल में ही तेरा जानवा ज़यां पर हो तेरा नाम
अरे आँखों में तेरा बन्द, अजल इन्तिज़ार हो
मीने से मलरहा है इस पाय बार के
शायद यूँ ही सं खोले दिले ये करार हो—जाये यह जान हिज़
अरे होना है जो कुछ आज ही परवर दिगार हो - - -

दूसरी तरफ :—

गज़ल

चिराग़ उम गिलने यह कह कर बनाये हैं मेरे गिलने
क्यामत तक तुम्हें जलता पड़ा खाक में निज के
यम मुर्दन बनाये जाये गे खाक मेरी गिलने
सरे जान बचा के योंसे मिने गे खाक में निज के
मयासे बस्त पर इंकार से मूह किम लिये फेरा
करो इज़रार करने जोड़ दो टुकड़े मेरे दिलके—क्यामत ---

॥ :: —

P 7840

दादरा

पी० ७८४६

हां रे ऐमो हरजाई रे कन्हैया डगर चलत गगरी मोरी गिराई
करके टियाई ऐमो हरजाई रे ---
बाहिद पिया काहे रार मचाई—मोरी छोड़ न कलाई बल खाई
लचक खाइ बल खाई तरपाई—ऐमो हरजाई ---
ऐमो हरजाई --- ऐमो हरजाई ---

मांड

दूसरी तरफ :—

कोई हसी हो हमें एक नज़ा कर सेना
जिगर को छानके मुझे हां कर सेना
बार मुनतज़िर करती है नाज़ कर देखो
बला निगाह से उन्हे गाहे गाहे कर सेना—मोई ---
नोकीली आंखों से चलता हुआ यह जादू है
निगाह नीची ही से दिलमें निज़ा कर सेना—मोई ---

दूसरी तरफ:—

राहुल सोहानी

फंम गया दिल देतह या रय करू तद्वोर क्या ।
 देनू दिखलाती है मुन्को अब मेरी तद्वोर क्या
 हिल नहीं सकता दो जानासे जो तू एक कदम
 पड़ गई उलझन की ८ दिन पांव में डूबोर क्या । फम - -
 अबनकर आया न क्यों कामिद मेरे हृदय जवाब
 चाक कर हाती खन होकर मेरी तद्वोर क्या । फम - - -
 मुन्को दीवाना बना बिमने पिराया दूर पदर ।
 रहन मेरे हाजर खोपेगा वह बेसीर क्या । फम - - -
 लूह दिल पर नरय बिमने नख्खां दिखदार है
 पे दिने नादान हो फिर हाजिरे तमबोर क्या । फम - - -

P. 2108.

भाण्ड

पी० २१०८

धनपका बाँका साँवरिया खड़ा राहने बंसी बजावत है ।
 जिन उकने और हूक उठे अब बसी बूझ सुनावत है ॥
 लन धान मेरी अब पेरी मखी बल रातको मेरी जो छाँख लगो ।
 क्या देखत है पिरा मरने में मोह दगन बनता दिखावत है ॥
 एक कारी कम्यलिया की धरी नरवात का लुनां नरदन में ।
 बलों को बूझे दूरन पर धी वह शम्भुका मुखड़ा दिखावत है ॥
 बल उ को जिनदन आव लगे धर लका लूका पेरी मखी ।
 लका लकावत है अब मेरा बलन दन ॥ नह कर बजावत है ॥

दूसरी तरफ :— धानी

गारी दूंगो हंला मोरी काँहको करेँया लुरकाई रे—लुरकाई ---
 काह कः मोहन तोरो माँवरो मृत मन भाई रे । मन भाई --- गारी ---
 साख जन कीनो एरु न मानो गाहर प्यारी से यह जन कीनो
 हां हां प्यारी प्यारी रजधायें नट बोली मगकाई रे --- बोली --- गारी ---

P 3551

सहिष्णुता

पी० ३५५१.

हम जाने मुहब्बत जान दिया करते हैं, दिन रात तुम्हारा नाम लिया करते हैं
 अब आते होंगे आये मे आते हैं, हम इसी ध्यानमें जान दिया करते हैं ।
 क्या जानो नादान हा इन बातोंरा, हम आँख मिलाकर जान लिया करते हैं
 तुम लाख कहाना करो यहां जानेंका, एक नज़ा में हम पहचान लिया करते हैं
 तमबीर मानने रख कर तुम्हारी प्यारे, सुनत प तमझ जान किया करते हैं ।
 हम सुन करते हैं नाम मेरा है गोहर, राजोंमें मदा इनाम लिया करते हैं ॥

दूसरी तरफ :— पहाड़ी भ्रमोशी

कुतूहल में अब तो हो गये सानान नये नये ।

बैठे हुये हैं दर पे निगाह घान नये नये ॥

जब तक कि तेरी जलक में दिल है फंसा हुआ, देखा करेमे खुवाय परे घान नये २
 उम की तनाय में घने दगते अनु को हम, महरा नये नये हैं क्यायां नये नये ।
 जिन पर करम खुदा का हो परपाह है क्या, होतें रहेगे जानने खुवाहां नये २
 हर शताहर दयार में उस का करन रहा, पैदा हुए बहुत से महरघान नये २
 लाखों हो जान देते हैं हम पर हुमार क्या. उमपर भी लोग होते हैं बेजान नये
 गोहर खदा के फजल की उम्मीद रख खुदान कर देगा दैते दैते यह सानान नये २

बन्दों की क्या मजाल रि पे हुस्म ख चलें
नयनों प भी तो हुस्म खुदा के हिसाब का—आगिर—
साया इसी लिये न बनो को अता हुमा
क्या इनक धा खुदा को रिमालत मन्नाय का—आगिर—
गोहर जब आता है मेरे नाम रमून पार
भर कद में लाफ शिया है सराने जराथका—आगिर—

दूसरी तरफ : --

मापड़

गफोरे राज महार गफोरे राज जज्ञा तुम हो ।
ज़रादा क्या कहूँ इन से कि महपये खुदा तुम हो ॥
खुदा बार्तिन है तुम जाहिर हो यह अज़दा ट लानेहल ।
खुदा तो बह नहीं मक्ता मगर गाने खुदा तुम हो ॥
खुदा को तुम से है उदफ्त तुम्हें महपय है अम्मत ॥
खुदा तुम पर फ़िदा है अरनो अम्मत पर फ़िदा तुम हो ॥
लिफा सिल अला क्या खूब मुश्किल तुम ने पे महरो ।
क्या गफोरे मुनज़ाजद गहोरे करबला तुम हो ॥



P 5001

होला फाग

पी० ५००१

देरे ख़ुबज़ा यारो देरे मुस्तज़ा है, सरासर मदीने का नज़्मा खिंचा है ।
मदीना मेरा मेरा काया यही है, हमें दर प ख़ुबज़ा के जाना रखा है ।
खुदा को क़यम नाम ख़ुबज़ा खुदा है, न सन्भेगे ज़ाहिद तू इनकी फ़ता है । देर
यहो मेम है यह मुहब्बत का देगो, खुदा आप खुद जिन का ग़ेदा हुवा है ।
फता किम का कह १ फता हो गो ता जान, खुदाको पछा सब फनाहो फना है ।
जो दोने पे मनमूर हाजो फताउनहक यही रात दिन देगो अपनी सदा है ।

सुधापा शाह पृथ्वी को तुरत ज़िन्दा बरामत कर ।
 रहे ब्राह्म हनुमन् और होय पङ्कज रघुपानी ॥
 दुष्टा पर मर भुङ्गा कर खतम करता है यज्ञान श्रवण ।
 रहें सब मारवाण उन पर हो सब पर फतन सुदहानी ॥

दूसरी तरफ़ : — स्वर्गोप मिस्त्र जोहरा वार्ड गज़ल पज़
 नाचे करते हैं ज़पान में नक़्का किया करते हैं ।
 मुम मज़ामन रहो हम तो यह दुआ करते हैं ॥
 हज़रत क़िन्न भगर जगा मुच तीन दान ।
 ऐसे हज़ामन यहां रोज़ दुआ करते हैं ॥ नाचे
 मुम मुक़े हाथ उठाकर हम शब्दा में जोमो ।
 देखने वाले यह समझें कि दुआ करते हैं ॥ नाचे
 फिर मेरे दिलक़स्तान शो दुई है तदपोर ।
 फिर जग मर में यह समावा बका करते हैं ॥ नाचे

12

મિત્ર ગાહર જાન

— — —

457

70 4544

[illegible]

P. 7850.

गज़ल

पी० ७८५०

दमे फ़िररे एग़न आया जो ध्यान फ़ितना क्यामत का ।
 तबियत मेरी निरसा हदीस फ़िररा क्यामत का ॥
 मेरे दिलकी तनखा देखिये क्या हसर हो तेरा—हां रे ।
 कि इनकी शोखियों ने भेष बदला है क्यामत का ॥
 न यहाँ ज़स्मत हकूमत की न यहाँ बुद्ध ध्यान दौलत का ।
 मरीज़ इग़र है हम दर्द रखने हैं मुहब्बत का ॥
 नम्र कर पड़ियों से दिल मेरा पेदाद यूं थोने ।
 हमी कम्पास्त दिलमें दर्द रहता है क्यामत का ॥

दूसरी तरफ़ : मिस ग़फ़ूरन जान -गज़ल

आज प्यारा गनेसे लगायेगा मेरे दिल की लगी को बुझायेगा
 आज निकलेगा दिलका गुबार, आज सोनेसे सोना मिलायेगा—आज --
 सोनेसे सोना मिलाके गजे लगाके चूमगा गोंरे ख़ुमार
 आज पहलूमें अपने लिटायेगा मेरे दिलकी लगी को बुझायेगा—आज --

—: • :-

मिस ग़फ़ूरन जान

P. 7889

गज़ल

पी० ७८८६

न जाना हज़रते ज़ाहिद कभी तक इबादत पर हां हां हां
 हमारा बख़्श देना मुनहासिर है उसको रहमत पर
 अगर में चाहता है वस्लका वायदा कभी उनमे हां हां हां

한글 맞춤법

한글 맞춤법

한글은 우리 민족의 고유한 문자로서, 그 사용에 있어서는
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게

한글 맞춤법

한글 맞춤법

한글은 우리 민족의 고유한 문자로서, 그 사용에 있어서는
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게

한글 맞춤법

한글 맞춤법

한글은 우리 민족의 고유한 문자로서, 그 사용에 있어서는
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게
 한글의 특성에 맞게 써야 하며, 특히 한글의 특성에 맞게

第一、二、三、四、五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

सत्यमेव जयते

ענין חסד וחסד

1000

Abstract

2000

Figure 1. The study area.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

द्वितीयः प्रश्नः ।

५३११

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12

अनुसूचित जाति आरक्षण का अर्थ

שְׁמִי הַגָּדוֹל הַקָּדוֹם הַנִּשְׁתַּבַּח הַנִּשְׁתַּבַּח הַנִּשְׁתַּבַּח

[illegible]

1990 1991 1992 1993 1994 1995 1996 1997 1998 1999 2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688 2689 2690 2691 2692 2693 2694 2695 2696 2697 2698 2699 2700 2701 2702 2703 2704 2705 2706 2707 2708 2709 2710 2711 2712 2713 2714 2715 2716 2717 2718 2719 2720 2721 2722 2723 2724 2725 2726 2727 2728 2729 2730 2731 2732 2733 2734 2735 2736 2737 2738 2739 2740 2741 2742 2743 2744 2745 2746 2747 2748 2749 2750 2751 2752 2753 2754 2755 2756 2757 2758 2759 2760 2761 2762 2763 2764 2765 2766 2767 2768 2769 2770 2771 2772 2773 2774 2775 2776 2777 2778 2779 2780 2781 2782 2783 2784 2785 2786 2787 2788 2789 2790 2791 2792 2793 2794 2795 2796 2797 2798 2799 2800 2801 2802 2803 2804 2805 2806 2807 2808

मिस हिंगन वाई

P 108

मजन

पी० १०८

हे गोविन्द राखो घरण् अब जीवन हारे
 गौर पीउन हेन गये सिध के झिगारे
 मिध बीच बसल गृह घरण् घर पझाई—हे गोविन्द - - -
 चाय पहर मुद्ध भये गज हू जव हारे
 नाक कान हूवन लागे कृष्ण को पुकारे—हे गोविन्द - - -

दूसरी तरफ :

मजन

नाम को अप्धार नेरे नाम को अप्धार रे
 बेधन खल जाय गिरे जमना बिच घारा
 सेव कर कूद पगे नन्द को दुलारा—नाम को

मिस हीरा वाई

P 109

दुर्गा

पी० १२०६

गणो मागे कम भूम—गणो मागे कम भूम

दूसरी तरफ

कामाय

मागे मागे बना बना माहा मागे तजर भर कर

नाना र मागे नयना मयना



੧੭੭੭-੭੮

ਦੇਵਰ ਕੁਮਾਰ

ਧੀਰ ਦੁਰਗ

ਘਰੇਲੇ ਸਾਰੇ ਸਾਰੇ ਭਾਈਆਂ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

—

੧੭੭੭

ਸਿੰਘੀ ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦਾ

ਧੀਰ ਦੁਰਗ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ

ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ ਦੇ ਘਰੇਲੇ

P 6212

शंकर

पी० ६२११

म दूजन लगी पीढ़ियाँ
 क्या तब तोरा प्यारा मोहम्मद
 पीढ़ियाँ - - - - -

दूसरा नज़्म :

गज़ल

किस कदर है गर्म नाता उस बुने नाछाद का
 आग फूलों की लगी धर जल के वाँ मैयाद का
 में ने समझा था किनारा बुल बुने नाछाद का
 क्या रगावो म गद्दी इन्तज के वाँ जल्लाद का-स्मि ---
 गाँ क्या जाने भवा मर्द के आ दाज़ को
 दूक बाज़ों ने स्मि कल साल बार जल्लाद को

~ ~ ~

P 6213

मुन्तजानी

पी० ६२११

छं मी कदा पीन मगाई रे बाबमा
 हर दिन है मरुता तेरा नैमा मगा
 छं मी कदा - - -

दूसरी नज़्म :

दूरी

स्मि आई आने रिवा
 लज्ज आने दुमेन दुर्जे में रिवा—स्मि आई - -
 चारुन चारुन हर्निवा—स्मि आई - - -

$$\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) = \frac{1}{4}$$

第 1 步: 输入数据

[illegible]
$$2^{21} \approx 2^{20} \approx 2^{19} \approx 2^{18} \approx 2^{17} \approx 2^{16} \approx 2^{15} \approx 2^{14} \approx 2^{13} \approx 2^{12} \approx 2^{11} \approx 2^{10} \approx 2^9 \approx 2^8 \approx 2^7 \approx 2^6 \approx 2^5 \approx 2^4 \approx 2^3 \approx 2^2 \approx 2^1 \approx 2^0 = 1.$$
[illegible]

57717 May, 1964

2000 年 12 月 1 日

1971-72 1972-73 1973-74 1974-75 1975-76

E7 - 21 89 0 0 / 010 1 C1 - 21 89

V. LINSLEY *July 1967* *The Ibis*

May 1991

SECRET
NOFORN

पुस्तक संख्या **वर्ष : २०१८**

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

आहुत करके बलिदान किया वो धर्म न थीर तन पौर पौर

कल्लोत्तरादि, यः विना मन्त्रस्य हारस्य चर होमस्य होमो होमो मन्त्रस्य - - -

P. 1086

मजमूदा

पी० १०८६

मजा लेंगे रगिया गं भूतानी का
हाथ रगिया परदेगया में हाथ,
अब बोन टार गे बीच हाथियां

दूसरी तरफ :—

काजरी

तानी बाटिया जग में जगान सांवर गोर्गिया
दम गुडा आगे घने दम गु टा पीहिया
बीच में घने लीयुतान सांवर गोर्गिया



P 1090

गुलल भैरवी

पी० १०६०

गैर भी मेरी तरह करने हैं आहें क्यों कर
हम भी देखें तो पलझी हैं निगाहे क्यों कर
न दिनागा न समझी न तगवशी न पड़ा
दोस्ती उम घुते बदल से निभाने क्यों कर
दोरे दोवार जरा आन पे तुम देख तोलो
ना तरां करने हैं दिल घाम कर आहें क्यों कर
दाग यह चाहते हैं गैर को चाहें भी
जो दुरा चाहें हमारा उसे चाहें क्यों कर

दूसरी तरफ :—

दादरा भैरवी

गुलनारों में राधा प्यारी पमे रे
जाही जुही में बन्दियां पते ॥ गुलनारोंः



1. 中国现代文学的兴起
2. 中国现代文学的兴起
3. 中国现代文学的兴起

中国现代文学

1. 中国现代文学的兴起
2. 中国现代文学的兴起
3. 中国现代文学的兴起
4. 中国现代文学的兴起
5. 中国现代文学的兴起
6. 中国现代文学的兴起
7. 中国现代文学的兴起
8. 中国现代文学的兴起
9. 中国现代文学的兴起
10. 中国现代文学的兴起
11. 中国现代文学的兴起
12. 中国现代文学的兴起
13. 中国现代文学的兴起
14. 中国现代文学的兴起
15. 中国现代文学的兴起
16. 中国现代文学的兴起
17. 中国现代文学的兴起
18. 中国现代文学的兴起
19. 中国现代文学的兴起
20. 中国现代文学的兴起

P. 1202.

चैन

पौ० १

जुई का कृतुस्य हथरा मगत कुम्भनाथ गली राना
मिर पर सुइ सपु डलपा भर सुइलपु आव गई सो मानी
खरसरा हो राना—

दूसरी तरफ : —

कजरी

मयां होय गये तिलगया मौर उमरिया धारी न
कानो कुरतिया दान सतगरिया, सात पगड़या नां
मया होय गये तिलगया ये - - - - -

— ० —

P. 1205

होली

पौ० १

मो पै दार दिपो मौर रग की गगर
मे तो घोरे ते देखन लागो इधर
मो पै दार दिपो सारे रग की गगर
रग लिङ्क के जाने कहां हो
जामो नहो जमो टहरो मगर—मो पै दार = - - - -

दूसरी तरफ : —

होली

पेरी तोते न खलुगो मे होरी
तु तो पर वन अगोर मजो रो
पूक तो धुंदर रग घोरी, दूवे अगिया के बन्द तोड़ी
तीवे आई हू मान की घोरो-ताते ना = -
तु तो पर वन अगोर मजोरी—ताते ना = - - - - -

— ० —



P. 6953.

दादरा

पृ० ६६५३

चलचल ननदिवा दरोट लाग आई मुझे क्या माज़ूम था
 हल पड़ा का लड़ा ननदिवा का पार मुझे क्या माज़ूम था
 धरे साथ यह लड़ा खिलारे आधी रात मुझे क्या माज़ूम था—चल =
 गुमराई का लड़ा ननदिवा का पार मुझे क्या माज़ूम था
 धरे साथ यह लड़ा गुमराई आधी रात मुझे क्या माज़ूम था
 बाह बाह गुमरीदि जान चल चल ननदिवा = - - - -
 पड़पड़ा का लड़ा ननदिवा का पार मुझे क्या माज़ूम था
 साथे यह लड़ा उड़ा घे आधी रात मुझे क्या माज़ूम था—चल = -
 मालनरा का लड़ा ननदिवा का पार मुझे क्या माज़ूम था
 धरे साथ यह मलरा पटनावे आधी रात मुझे क्या माज़ूम था
 चल चल - - - - -

दूसरी तरफ :

दादरा

जाह्यो जाह्यो जय न होतु गो तुमने गुह्यां रार न निजाह्यो
 ऐसो पाते न दनाह्यो न जनाह्यो न मनाह्यो
 पर धर रति जिना - - - -
 सोली मरे जया जेवें मरे सोनू गो निजेला निजाह्यो
 बरोली तुम निजाह्यो जया जया दया दया - - - तुम जनाह्यो
 हा दया दया जयाह्यो
 दयाह्यो न होतु - - - -



बहुिया बाद्यजंत्र

(बाजे)

इन्दा मंत्रा शिरो हृत् उचिप

मन्त्र वा ।

आप अर्चना

आप पद

प्रदान कीर्तने

--

आप मन्त्रु जो

प्रवचन मणि

-

वन्दन का पूरा

मन्त्र वा मन्त्र

मन्त्र मन्त्र : मन्त्र

मन्त्र

मन्त्र

मन्त्र

मन्त्र



गरबा लगालो दिलर जाना हां हां रे-जाये जौयन वा धीता तेरा

दीहा

जलजाये हुस्ने जहान साथ दिवाने जाओ ।

चाहने वामों को दीयाना दमाने जाओ ॥

हाक में फोड़ मिनता है तो निच जाने दो ।

अपनी रफ्तार में मुम हग उठाने जाओ ॥

मरघ्यत दिया प तन मन वारु हां हां हां

मान जाओ मौर कहनया-मुम पिन निम दिन वल नहीं आये

गरबा लगालो दिलर जानियां - - बाह बाह बहुत अच्छे

जाय ज़ुबनया धीता नोग-गरबा लगालो दिगरेर जानिया

दूसरी तरफ़ :—

दादरा

बलन पड़न घने पन दिन मुम दिन सयां

अज करन मानन नाही शीट लगार निडर -चिनती मान

तन मन धन मुम पर शर—इच न प त

उठे गद में जायका नम पाना पलन ३१

हा नम ३३ ३३ हा नम ३३ ३३ ३३ ३३

पलन ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३

३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३

३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३

३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३ ३३

P. 8633.

सुझल

पी० ८६३३

क्या खर भी मुन ९ दिव जाना पता हो जायेगा
 रन्दी इन का उत्र भर को सानना हो जायेगा
 जान की कल कल ने माता भूट की कुद हद भी है
 रोज कहेंगे हो कल बादा बला हो जायेगा । क्या खर - - -
 मुन जो उठ जायेगे पहलु से तो क्या हो जायेगा । हां रे
 बन बही ना दूँ दिव कम होमिता हो जायेगा
 मान तो बिमलित का कहना मुन न तो जाने का मान
 लि बही पेतारियों का मानता हो जायेगा

दुसरी तरफ

दादरा

मुन्हारी काँखें हैं निम्ने आदू नज़ से कर दो बर के दो दो
 निहाह सड़ाये जो तुम किनो से तो होवे दूक़ जित के दो दो
 कवर कदापेई आदिहो की दिलो जितरुको किया है धामत
 रोहें मल्लु बोह ता कियात मुन्हारी निरुयो नज़ के दो दो
 जनाते रग देखने को करने रखा है दो काइनो को जाने
 देखां देने हैं साक उत्तर मुन्हारी रगे कूर के दो दो
 हूँ बाम बोयो का उनका नोक बोह रोज देने हैं मुन्हारी गिलकर
 जो वन जानो क आत लुके लयो के वतो उत्तर के दो दो

P. 8809.

दादरा

पी० ८८६६

मेरे आंगन बदरा न मुके

सबके आंगन निमिचा धर वा हमरे आंगर कोई धुर—बदरा न मुके --

मरके रिवा नि धर हो रहत है हमरे रिवा पदेम—बदरा न मुके ---

हमरे माप की दुई दुई खेताई हमरे काम कोई—फूट बदरा न मुके --

दूसरी तरफ :-

दादरा

क्या मने की गुजरिया कमर तोरी छला मुंदरिया . . .

आंखे तो तीरी बनवा की छंके—भरे बड़ी है कमल

कमर तोरी छला मुंदरिया . . . क्या मने की गुजरिया . . .

आगे आगे राम बल्ल है—पोंछे कुवर कंधिया

कमर तोरी छला मुंदरिया

आंखे तो तीरी बनवा की छंके—भरे बड़ी है कमल

कमर तोरी छला मुंदरिया—क्या मने की . . .

—०—

मिस लतीफन जान

राजस्थान

पी० ८१५४

मैं नही जानना है काका है न तुम जाना

तुम नही जानना है काका जानना

हम जाना है काका जानना है काका जानना

तुम नही जानना है काका जानना

मो हुम हुम और गुनाह रे

खसत मन्द हुमार श्रुत के सोगन में

दूसरी तरफ :-

दादा

मरती रो मे का तिया धिनु बहुत न एहाम ।

तुम तो मोतिन पर आवत जानत मोता बिना घरताप रे

न गही दिन के लगाने को हयन देख तिया

पाद कर के तुम्हें दो धार धम्म देख तिया

तुम को हन गत मुहम्मद को मज्जर गरौं पर

तुम को दिन देखे अर्जताने बजन देख तिया

मरती रो मे का तिया धिनु

— १-०-१ —

P. 217

मैखीं तुमरी

पा० २१६

बाहुन मोता मेहर ह्य जाल-बजी मेहर ह्य जाल

जय होनिवा दरबारा पर धाई रे

बजना बोलना ह्य जाल

हो गम के गम जाल ह्य जाल ह्य जाल

मोता बाहुन पर बजना न जाल नज्जब ह्य

बाहुन मोता मेहर ह्य जाल

P. 1200

कच्चालो

पी० १२६०

कड़क कर मुँगे बिगमिल की तरह आगिऊ जो मरते हैं
 यह पाकर के अदू देते पुनको तब ये आस करते हैं
 निरस्त जाते हैं यह जिम राह को गुज़र करते हैं
 हज़ारों थरथरियाँ देते हैं बिगमिल में गुज़रते हैं
 मैं मरता हूँ मुन्हीं पर संझिन क्या मेरा जो करने हो
 कि हाय हाय सं लिया अच्छा किया हम याद कहते हैं
 कड़क कर मुँगे बिगमिल की तरह आगिऊ जो मरते हैं

दूसरी तरफ़ : —

गुज़ल कच्चालो

दिल गेहूँओं में हमने कमाया न जायेगा
 हम चांद को यह दाग लगाया न जायेगा
 बहता है दिल हिसा हूँ मैं कुछ निगाहें तेरी
 आँखें यह कहती हैं कि हिसाया न जायेगा
 तेरा हिसाया आँखें साजे हैं बार में वह
 जोवन बहार पर है हिसाया ना जायेगा
 लाखों को थाक में तो मिचाने का आरजा मुने
 जालिम में कान नचको मिचाना न जायेगा
 दिल गेहूँओं में हमने कमाया न जायेगा

दूसरी तरफ: -

दादरा

मोरे जोयना पे आई बहार बालन परदेसा न जाइयो

मोरे जोयना - - - -

आओ पिया मैं तेज दिहाऊं गरवा लागूं करूं तोओ प्यार

पलम परदेस न जाइयो मोरे जोयन - - - -

मिस मुमताज़ जान

P 127

फ़ावली ग़ज़ल

पी० १२७

यह तो मैं क्यों कर कहूँ तेरे ख़रीदारों में है

तू सरापा नाज़ है मैं नाज़ खरदारों में है

सोझियों में है न रिन्दों में न मय ख़बारों में है

ऐ सुतो बन्दा खुदा का मैं गुनहगारों में है

मैं झड़ल से हुस्न जाना के ख़रीदारों में है

उसका मज़हब है उसीके नाज़ खरदारों में है

याहरी ग़ज़लत नहीं है आज तक इतनी ख़बर

कौन है मतबुस मैं किमके तलमगारों में है

वह दरीदा होके बांधे एक पुरानी तर्ज़ से

मैं जिसी ज़ल्फ़ दुताके नाज़ खरदारों में है

इश्क़ का जादू क्या मत है जो जिस पर चल गया

वह मेरे दिलदार है न उसके यारों में है

कर रहे हैं ज़लम और उस पर यह तराह देखिये

पूछने में मुझसे क्या न ना तलमगारों में है

मनीहा भी था चित्तहृदोंक दुख धारा मुहम्मद का ॥
 अलम है नूर उन सुलतान दीन की कोम चाहोका ।
 सदा बज्जा है पाँवों बन्द, नदारा मुहम्मद का ॥
 पदु च लेगा ज्ञान में जब कि एक एक उन्नति उनका ।
 कहो उन बन्द, होगा एम से मुदकारा मुहम्मद का ॥

मित्त मुश्तरी जान

P. 7374

गुलिस्तां

पो० ७३५४

बहरे गुलशन गुलिस्तां की खिजा बन जाऊँ
 नाले संगीन नाले पुन पुन की सदा बन जाऊँ
 दोसा लेने के लिये जानें शय बन जाऊँ
 कहिये तो सुझा बनगौर बजा बन जाऊँ
 शाली सादल को मेरी जान नजर से दानो
 नक़्त उत्पन्न है मुझे खारे बख़ से पालो
 मुने सुदंग है अच्छी तरह देखो नालो
 हार बन जाऊँ गने से जो अगर मन दानो ॥
 पाँव में तुम जो लगातो तो हिना बन जाऊँ ।
 बहरे गुलशन गुलिस्तां की खिजा बन जाऊँ

दूसरी तरफ़ :—

गुज़ल

हुत हुत नालुवाद पर कौरे अलम गिरा दिया ।
 हां हां कौरे अलम गिरा दिया
 दानने गुलने बन ज़रा बहने निजम बना दिया ।

कहाँ आराम से बैठ फलक रहने नहीं देता
हमेशाह एकन एक मर पर मुनोपत आही जाती है ।

—:—

P. 7400

गुज़ल

पी० ७३६६

क्या जिये खाऊ जिये जीने का सहारा रहा
जो कुछ पहिले था वह ध्यान हमारा न रहा
एक बै है कि मुझे दिन से भुलावान कभी
एक मुनहो कि मुझे ध्यान हमारा न रहा । - - -
आज तक सम किया मैंने तेरे बापदे पर
अब मेरी जान मुझे सम का पारा न रहा । क्या जिये - -

दूसरी तरफ : -

गुज़ल

झिस्माए इग़्द मेरा दिल से उला करने है
कितने भोले हैं मेरे हक़मे हुक्मा करने है
गालियाँ भी हैं मउ को जो लगे धारों को
और हम झिड़के भी दे जाय उला करने है—झिस्माः - - -
आएहो क लगे हउ आन फला है बं बन
उल्ल का काम में यह लगे उला करने है
झिस्माए इग़्द मेरा उल्लम लगे करने है

—:—

हम फिर से साहस है साथ बदन भावों को
हम हार में बिना जाऊ है—मेरी लगी आँखों है—बोरी --
मेरी दिन दिन बदन साहस --
मेरी लगी आँखों है—बोरी आँखों है --

दूसरी तरफ :

पौर

हो राम ब बोरी साहस—हो हो बदन साहस
हो राम ब बोरी साहस
हो राम ब बोरी साहस उभरी लगी
साहस लगी है लगी—हो हो लगी लगी
हो राम ब बोरी साहस—हो हो लगी लगी --
हो राम ब बोरी -- हो हो

—१०—

१ २ ३

साहस

१० ११ १२

साहस है साहस ब साहस ब साहस
साहस है साहस ब साहस ब साहस
साहस है
साहस है साहस ब साहस ब साहस
साहस है साहस ब साहस ब साहस
साहस है साहस ब साहस ब साहस
साहस है साहस ब साहस ब साहस

मित राधा वाई

P. 7061.

भजन

पी० ७६६१

एना है तारे हैं तुमने साखों - - -

हर एक भगत को दुखमें पा कर—स्वयम् मिभाला है तुमने जाकर

दिगड़ रही है दया हमारो—इन्हें मिभालो तो हम भो जाने

एना है तारे हैं तुमने साखों

दूसरो तरफ़ : -

भजन

समाय गयो मोरें हिरदे में मोहन—समाय गयो री मोरें

समाय गयो मोरें हिरदे में मोहन—समाय गयो री मोरें हिरदेमें मो-

मोर-कुवट सुखेबागृत कुटल—अरे कुटल की ममरु दिखाय गयोरी

मेरे हिरदे में मोहन समाय गयोरी

सांजली सूरत मोहनी मृत पजती नाल पड़ी—अरे हिरदे में मोहन - -

P. 8028

खेमटा

पी० ८०२८

करवटा में घुरियां मुक जइयो रे

साम ननद मोरो पनिषां को भेज पतनी कमरिया लवर जइयो रे

करवटा में घुरियां मुक जइयो रे

साम ननद मोरी मज्जा प भेजे बारि उमरिया दिगड़ जइयो रे

करवटा में घुरियां मुक जइयो रे

दूसरो तरफ़ . -

खेमटा

गारो रान कदा न जाइ नारा जिजा घरराय . . .

हुन्ती छोटी सी उमर

पड़े को राम कहें हैं तब है नाम छोटे का । सज्जन हैं नाम छोटे का

दूसरी तरफ :

भैरवो

हांकी जोगी बनी मन भावनिनां—मन भावनिनां दिन दुतावनिनां

इधर तो किंगी और कुरखर की तब कहोगी है

उधर बन्दरना दिन दोरने में बोगी है

इधर रोती भाव उधर खेत बेगल की है

इधर नादाननी उधर सज्जन बेगल की है

तबे नातिन पी हुन्ती दुतावनिनां । हांकी जोगी बनी

— * —

P. 8871

दादरा

प्री. ८८५१

हुल बोलत कहोते राम कहते सी - - -

कहते कछा है भौता है राम बुझाने मग है होना

होते होते बुझाते है

मनोहर मनोहर हा हाते सी । ब्रह्म बरख

दूसरी तरफ

दादरा

मन है मग है मग है मग है - - - - -

मन है मग है मग है मग है मग है

मग है मग है मग है मग है मग है मग है

मग है मग है मग है मग है मग है मग है मग है मग है

अरे मैं तो दूह को सोचन पर गई रे
राम मेला से नि दिसा बिबर गई रे

—(१००)—

P 7408

दुमरो

पौ० ७३६८

निम दिन मोरे तूह तूह जात मखो रो - - -
मन को बिधां साव कहे बिना को बिधां साव कहे बिना
दुखी रो - - -
कहां दूह जात रो मखो रो—निम दिन मोरे तूह तूह जात - -
जात मखो रो हावो मखो रो—निम दिन - - - - -
मनको - - - - कहां - - -

दुमरो तरफ :

देश

बिना को मध मा मोरो कहियो जाव
कला रे जाव जाव बिना को मधमा मोरो कहियो -
बाद जावन मोरे उनको बनिना कत न पड़ बिना जाव
मन को मधमा मोरो कहियो जाव कला रे - -

मन

पौ० ७३६९

मन को मध मा मोरो कहियो जाव

कला रे जाव जाव बिना को मधमा मोरो कहियो

बाद जावन मोरे उनको बनिना कत न पड़ बिना जाव



मरदों के गाने



अवदुल्ला

P 5242

शौशोला जात बालम

पृष्ठ ५२४२

मे मार पाता गुलबदन ए शीरी गुलबदन
मादुका मारिह दहरी मारका मेहर निगाह
मारका मेहर निगाह मात तनया फात की देरी
बिना माँ का मरत परोह रिवाते का मर दहरी
छुप को छुपी देरी को को परोह का मर मरने
जा रिवाते हे बात को मात का उम दहली को
जात मे देरी जात को—हे दम दम दम मरता हे जात को का को मे दम
मरता गुलबदन मेरी को को मे मात जात
मरत कोरी को मरत का मेरी कोरी मे दम जात ।

दुसरी मरत : शौशोला निगिदा बरिद

बदल की मरत निगिदा दम दम का को को
का का दम दम को को दम दम निगिदा को को
दम दम निगिदा का दम दम निगिदा के का को
दम की कात दम को को को को दम को
दम दम दम निगिदा दम दम निगिदा
निगिदा दम दम दम को दम दम निगिदा
दम दम दम को दम दम दम दम दम
दम दम दम दम दम दम दम दम दम दम दम

दूसरी तरफ :— चौथोला दयाचम गूजर

अरे भतीजे साइने बड़ों तेरो परमान
 ये उमर खंडर नहीं देता अभी तू है नादान
 ये उमर साल नादान खेला धरने जाके
 जह्न करने को जाये तो वहां पर होग भारो साके
 जिस दिन लखना पड़े तेग फिर स्थिर न जाये धाके
 नेकी बंदी हो सज्ज ने तेरो मात मोगी धररा के
 न तुनसे समर सदेगा देख सलवार भवेगा
 बस जने कोई ऐसा पोला के तुम्हे क्या पयां साल
 जब तक बाड़ी बह है

— : —

P. 5842

चौथोला अमर सिंह

पी० ५८४२

जाने दे जाना मुझे मत करो रजो मलाल
 अरे तेरे इक़ का नया मुझे हो रहा सवार
 बहुत सवार मुझे मना मत कर जाने को
 क्या लिखा खड़ा नजर कर शाही पगाने को
 बड़ा मन पगाने दे मेरे रजदानी जाने को
 हम गजन में मर दम जहा करने दे उमाने को
 न हूँ जहा दे बख्त के जे

दूसरी तरफ

चौथोला अमर सिंह

एक दिन के मेरे जेना क्या उमाने दे जाने

मात बख्त के मेरे जेना क्या उमाने दे जाने

या अथ से श्रवण विजितो दृढ़ पङ्क्ति धी
मेरी जो जान मिलावो अरे जानकर पालने जाया
होने अहसान तुम्हारा हनदन तरे दनको हनदन नहीं होजावे स्मिार

दूसरी तरफ :—

चौथोला

महरबान मनदोस्त मन मुग़िज़्ज मन गन ह्वार
पता लगा कर खुदाय का साया जान निमार
साया जान निमार लगाकर पता तरे हनदन का
मोहेरु मोहेजरो मोहेलझ मुकरन का
मारा यका सज़र का है मारा गनों रंजो अलन का है
आपके मानने जाना पेदार खड़ा है मुकरन का
पारों दिलपाद करो तुन हृदा को पाद करो तुन
रख गन हृदा ज़िगर को साया पता लगा कर टुकड़े दोनो दिलका
अगर यह जान जावंगी तो मैं दन गनने हटूंगा
हनारा बस चनेगा तो मज्जा उल्लूक का हटूंगा

—::—

माष्टर अमोर अली

P 5204

गज़ल पौलू

पौ० ५२६४

तरहो और हो दुनियां में या रख हुस्न वालों को
मज्जा चनेबं बदले है दुआ है नरन वालोंको
कहा फिर फन में कहे दोना दार बन जाता
जुदा है गजन मारे अल्लाह के गालों के—तरहो
जो है नरन वशव में दनाया मन दोमा के
जिस्स है नरन मारे मानक हालों के—तरहो

ये माग़ता संग होके दिलने किया नाला
 किन्नी को क्या घायल बरोगी मोरी जां
 देखा जो देखे बार पर ह गामा है बरसा
 जां राज़ों का जनघट है दिल अफ़ग़ारों का मेल
 विमिल है बोई देताय तड़पता है सिमझता
 और बोई ज़िगर धामे करता है यह नाला
 किन्नी को क्या घायल बरोगी मोरी जां

दूसरी तरफ़ :—

दादरा

घोहे मेघों मार टालो पारो करे मे-पारो करे मे महेदारी करे मे
 सुलने आरज़ू धी बोई दिल रहा मिने
 एक आर भी मिने तो हज़ आटना मिने
 हम मे विनयत दिल मे मिने तब नजा मिने
 दुनियां के देखनेको मिने तब तो क्या मिने-घोहे - -
 ऐ क़मल देख हज़की उम को खर नहो
 दिल में हज़ार दर्द उठे आँक़ार न हो
 एक क़ुर है गुनाह का आज़ उतरे हाथ मे
 घड़वा है दिल मे किन्नी का ज़िगर नहो-दां ओ - -

— (: :) —

P 8 2

सेवेंटा

प्री० ८६१२

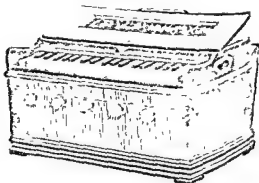
म. न. है मालिक 'दिल नाला' किन्नी का
 आर है बोई देताय तड़पता है सिमझता
 है हज़ार दर्द उठे आँक़ार न हो

“वीना आर्गन”

यदिवा दारमोनियम

४६ माह

यदि आप हम से मान मगाये तो आप को प्रति वर्ष
दारमोनियम मिल जाता है ।



हमारे नाम दारमोनियम हमारे नाम ५० ५० ५० ५० ५०
हमारे नाम दारमोनियम हमारे नाम ५० ५० ५० ५० ५०
हमारे नाम दारमोनियम हमारे नाम ५० ५० ५० ५० ५०
हमारे नाम दारमोनियम हमारे नाम ५० ५० ५० ५० ५०

गम गम गम गम

५० ५० ५० ५० ५०

५० ५० ५० ५० ५०



मोफरिबन (बाहर) क
ग्राहकोंमें पग वायदा ,

और

उन को स्थापित करने का
गहरा दृष्ट

आप अपने आशापत्र का मात्र धन ।
गुरुदेव पावन

एम. एल. साहा

पदभित्त गामोभोन, वाशजय, प्रोडोगाफक, ५५० ५५५
और मादरिल डीनर्स

५११ धर्मनहा प्युट, कलकत्ता ।

जानो दिल से आज भी हाज़िर हूँ जो इयाँद हो

रस्ता के पत्थर तो अजर दिल रग लिये
छोटे में मिन में बार गजब तुन हो जा लिये
ना नहरनों की छाँव जो अगि वा पे जा पड़ी
सीना खुला हुआ है दुःख सभा लिये
बोने पे इतनी गालियाँ फटाह की पनाह
अर मैं भी बुझ बहुत गा जरा मुह सभा लिये

दूसरी तरफ :—

गज़ल

हज़र अजर क्या हुआ यह जानने लाये हुए
ग़ज़ल बँलाद दरने तेरा मैं टाके हुए
छोड़ दूँ मैं उल्लस मेम् पशवक विप सरह
एक मुहल में यह बाँचे मार है पाँचे हुए
कह दिया आतिश एरफ़न अरने जहाँ न देखकर
जब बन्दग उरन बो मेरे आतशी नाचे हुए
क्यों बहो पे लालची काँव में क्या आना नजर
आन ही ग़ज़ल में उ उल्लस का ह ह ह ह

1 (

ग़ज़ल

ग. १३६०

ग़ज़ल अजर क्या हुआ यह जानने लाये हुए
ग़ज़ल बँलाद दरने तेरा मैं टाके हुए
छोड़ दूँ मैं उल्लस मेम् पशवक विप सरह
एक मुहल में यह बाँचे मार है पाँचे हुए

हिन्दी ग्रामोफोन रिकार्ड संगीत

बीमार मोहम्बत को दफा होगी तबीयों
 मुमल में अगर दफते दीदार लिखा है
 पे दर्द दिल बता दे कपड़क तू कम न होगा
 हन दम बनेगा किम का अब तेरा दम न होगा
 मुमला हज़ार लिखिं हरगिज़ दफा न होगी
 इज़ार बस्त जाना अब तक रुमन न होगा
 मुमले में अगर दफते दीदार लिखा है—सदकाये हुण - - -
 मुदों के जिताने का यह दावा न करें क्यों
 पात्रों की नुकारने अब कुन की मदा है

दूसरी तरफ़ :

गज़ल

जो भी जनाब इज़ से दो वार हो गया
 वह दो ज़रां के ज़ोन से बेज़ार हो गया
 सज़ज़त रगे ज़िराक को था मुल्ले इन्तज़ार
 मैं बस्त में भी ज़ोन से बेज़ार हो गया
 दिल किम निगाहें मयत का बीमार हो गया
 जो ज़िन्दगी में जान से बेज़ार हो गया

P 0080

गज़ल

पौ० ६३

वह हन से कुर है हम उन से कुर है बनाने बाने बना रहे हैं
 रिफायन दिन में हो रही है—अब मोहम्बत के बा रहे हैं
 तलावा मुक़तिब में जा के देखो वह खन करने हैं आदमों से
 किमों के बंर निगाह में मारा किमों को ख़जर दिता रहे हैं

नया और नाना फोटोग्राफिक सामान

नये प्रकार के कैमरे
सस्तेसे सस्ते
सामान



प्रीत नगर ३३ बंगला नया कलकत्ता १

११ फा ६ से ४ १२ १९५५

१२ ६ १९५५ ११ १२ १९५५ १२ १९५५

११ १२ १९५५ १२ १९५५

११ १२

दूसरी तरफ :—

दादरा कहवा

तरकारी से तो माजिन जो आई पोकरेन से
मोटा देवू पातल देवू और देवू चाँलाई
भरे बहार में डोरी मात दे माजिन को आई—उरकारी - - -
जरुर देवा जोयुर देवा और देवा पोकरेन
गंगा राम ने छिट्टे कापा जाला है अजमेर—तरकारी . . .

—:~:~:~:—

P 325.

दादरा कहवा

पॉ० ३२३

अदरियो प गिता से कतूर अयो रात
एन एन से भावी हन तुम मोखे मग माय
नहीं नहीं रे देवरा मयां तो जाने मारी रात—अदरियो - - -
एन एन से भावी सैयां को दीजे मतवाय
नहीं नहीं रे देवरा सेवों को छोभा जाय—अदरियो - - -
एन एन से भावी हन तुम खावे मग माय
नहीं नहीं रे देवरा खोरी धन धर जात—अदरियो - - -

दूसरी तरफ :—

कल्याण

एह कैंते दाम दामो रे एह कैंते दाम दामो रे
हमारे दुखमारे रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे
ममाल रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे
नहीं उन रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे
इधर त रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे
उमे हा रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे रे

P 425.

सारंग दादरा

पी० ४२५

काहे मन मातो खड़ी रे गोरी बंगला
 पांदा के बाहु बन्द सोने के बंधना
 रेखन की जोली में लिखे दोनों दुपना—काहे मन माते - -
 देखो न तुझो महारम किसी का है, है
 यह खत बहिषती अभी गदराये हुए हैं—काहे मन मातो - -

दूसरी तरफ :—

गङ्गा दादरा

यू तो तयाह किया दिने खाने खराब ने
 मजदू बनाया मुझे तेरे सिवाय ने
 आगिक बरे में बना मुझे खराब खलत है बात
 खराब किया मुझे की मुझारे खराब ने—यू तो - - -
 रहमतते तेरो हो गये में खुदा बिल्ली
 तुनाह धो दिने जाने खराब ने—यू तो - - -
 मुदन पं मेरो जाने तो मुझपा के यूं बहा
 बदनाम कर दिया हम हो खाने खराब ने—यू तो - - -

—३३—

P 426

हुमरो

पी० ४२६

एक बहुत भार बर कर निगाह
 एक बन्द खान बर दू "बसत म." खाने दू
 दिया "नरम" उ = खाने का खान इ म मारा मन सोना
 एक बहुत भार १३

